www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर
भारत संवाद
मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम
अधिकतम तापमान 33.c
29.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 96.325g
चांदी 97,900kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

2 भारत को विकसित बनाने वाली मुद्रा योजना, उपलब्धियों पर हमें गर्व करना चाहिए
चोरी के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार22 04

वर्ष :08 अंक :325 मुंबई , शनिवार ,17 मई , 2025 पृष्ठ : 06 मूल्य : 2 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

फर्जी डिग्री के जरिये नौकरी पाने वाले शिक्षक को पांच वर्ष कठोर कारावास की सजा

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में बीएड की फर्जी डिग्री के आधार पर शिक्षक की नौकरी पाने वाले त्रिलोक सिंह कठैत को पांच वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई गई और 15,000 रुपये जुमार्ना लगाया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने यहां बताया कि शिक्षा विभाग की विभागीय एवं विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में सत्यापन के दौरान कठैत की बीएड की डिग्री फर्जी निकली, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। रुद्रप्रयाग के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी ने बृहस्पतिवार को कठैत को फर्जी डिग्री के आधार पर छल व कपट से नौकरी प्राप्त करने का दोषी ठहराया और उसे पांच वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने कठैत पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया।इस मामले में राज्य सरकार की ओर से अभियोजन अधिकारी प्रमोद चन्द्र आर्य ने पैरवी की।

पाकिस्तानी जासूस जालंधर में गिरफ्तार, 4 मोबाइल और 3 सिम कार्ड बरामद

राष्ट्रीय सुरक्षा निगरानी में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गुजरात पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करने वाले एक संदिग्ध जासूस को गिरफ्तार किया है।आरोपी की पहचान मोहम्मद मुर्तजा अली के रूप में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, उसे जालंधर के भार्गव कैंप इलाके में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया।खुफिया जानकारी के आधार पर गुजरात पुलिस और जालंधर पुलिस की संयुक्त टीम ने अवतार नगर में एक लक्षित अभियान चलाया, जहां अली को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने उसके कब्जे से चार मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड भी जब्त किए। अधिकारियों के अनुसार अली जालंधर के गांधी नगर में किराए के मकान में रह रहा था और गुप्त रूप से जासूसी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। प्रारंभिक जांच के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के हाल के दौर में जब पाकिस्तान में भारतीय समाचार वेबसाइटों और टेलीविजन चैनलों तक पहुंच प्रतिबंधित थी - अली ने भारतीय समाचार चैनल देखना जारी रखा और कथित तौर पर आईएसआई को संवेदनशील जानकारी दी। उल्लेखनीय रूप से, उसने ऐसा एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके किया जिसे उसने खुद विकसित किया था।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद

अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर जाएंगे; थरूर-ओवैसी रह सकते हैं शामिल

ऑपरेशन सिंदूर

▸▸कांग्रेस नेता शशि थरूर को अपनी पार्टी की लक्ष्मण रेखा की चेतावनी का जवाब देने के एक दिन बाद, अगले सप्ताह वैश्विक मंच पर पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को उजागर करने के लिए विभिन्न देशों का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का सदस्य बनाया गया है।

एजेंसी

नई दिल्ली, पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 या 23 मई से 10 दिनों के लिए विदेश दौरे पर भेज रही है। ये सांसद अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे।

सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश दौरे पर जाने वाले सांसदों की

विदेश मंत्रालय ने सांसदों को विदेश यात्रा के लिए तैयार रहने को कहा

विदेश मंत्रालय सांसदों को डिप्लोमेटिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा।एक पार्टी के नेता ने अपना नाम उजागर न करते हुए बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।विदेश मंत्रालय यात्रा से जुड़े डिटेल्स शेयर करने के लिए उनसे संपर्क करेगा।

संख्या का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, कुछ नेताओं ने बताया है कि सांसदों की संख्या 30 से ज्यादा हो सकती है। भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का

वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि डेलिगेशन में 5-6 सांसदों के 8 ग्रुप्स होंगे।सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है।उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है।

हिस्सा होंगी। कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल होंगे। सुप्रिया सुले और असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी सामने आया है। सरकार ने 8 मई को सभी दलों की बैठक बुलाई थी केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। अगले दिन संसद में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए सभी दलों की बैठक बुलाई गई थी।

'कागज का है लिबास, चिरागों का शहर, चलना संभल-संभल के...'

राजनाथ ने शेरो शायरी के जरिए पाकिस्तान को चेताया

भुज एयर फोर्स स्टेशन पर वायु सैनिकों को संबोधित करते हुए सिंह ने पाकिस्तानी सेना को सावधान करने के लिए मशहूर उर्दू शायर बशीर बद्र की एक पंक्ति का हवाला दिया: कागज का ये लिबास चिरागों के शहर में, जरा संभाल संभल के चलो तुम नशे में हो।

एजेंसी

गुजरात के भुज के दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि भारत ने पड़ोसी देश को प्रोबेशन पर रखा है। उन्होंने पुष्टि की कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है और आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। भुज एयर फोर्स स्टेशन पर वायु सैनिकों को संबोधित करते हुए सिंह ने पाकिस्तानी सेना को सावधान करने के लिए मशहूर उर्दू शायर बशीर बद्र की एक पंक्ति का हवाला दिया: कागज का ये लिबास चिरागों के शहर में, जरा संभाल संभल के चलो तुम नशे में हो।

भारत की सैन्य क्षमताओं के बारे में बोलते हुए सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत और ऑपरेशन के दौरान इसके प्रभाव की ओर इशारा किया। सिंह ने कहा, यहां तक कि पाकिस्तान ने भी ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत को स्वीकार किया है। हमारे देश में एक पुरानी कहावत है, 'दिन में तारे देखना।' मेड इन इंडिया ब्रह्मोस मिसाइल ने पाकिस्तान को 'रात के अंधेरे में दिन का उजाला' दिखाया। रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय फंडिंग पर सवाल उठाए और इसके इस्तेमाल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली राशि का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकी ढांचे पर खर्च करेगा...भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को मिलने वाली फंडिंग पर फिर से विचार करे।

श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक, श्रम कानून हो प्रो-इंडस्ट्री एवं प्रो-श्रमिक: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा- उद्योगों का विस्तार ही हर हाथ को काम देने का वास्तविक माध्यम

बोले मुख्यमंत्री- श्रमिक अड्डों को मॉडल के तौर पर करें विकसित, डोरमेट्रि, कैंटीन एवं प्रशिक्षण की हो व्यवस्था. मुख्यमंत्री ने कहा- असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की स्किल मैपिंग कर न्यूनतम मानदेय की गारंटी सुनिश्चित करें. बोले मुख्यमंत्री- सीएसआईसी और ईएसआईएस को निजी अस्पतालों को जोड़ें.

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को प्रो-इंडस्ट्री और प्रो-श्रमिक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रम कानूनों का सरलीकरण इस प्रकार किया जाए जिससे उद्योगों को सुविधा मिले,

लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि श्रमिकों के शोषण या उनके साथ अमानवीय व्यवहार की कोई संभावना न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हाथ को काम देने के लिए हमें उद्योगों को सशक्त करना होगा।उद्योग बंद कर किसी को रोजगार नहीं दिया जा सकता, बल्कि उद्योगों का विस्तार ही अधिकाधिक रोजगार सृजन का माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिले।

ऑपरेशन सिंदूर पर अब एमपी के डिप्टी-सीएम का विवादित बयान

सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक, कांग्रेस ने कहा- ये सेना के शौर्य का अपमान

कांग्रेस ने देवड़ा के भाषण की क्लिप शेयर करते हुए कहा, 'देश की सेना और जवान प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं।' यह बात मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कही है।

एजेंसी

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शुक्रवार को यह कहकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया कि सशस्त्र सेनाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगे झुकना चाहिए। कांग्रेस ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देवड़ा के इस्तीफे की मांग की।पार्टी ने उनके बयान को शर्मनाक बताया और राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की, जबकि भाजपा ने देवड़ा का बचाव करते हुए कांग्रेस पर उनके शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने देवड़ा के भाषण की क्लिप शेयर करते हुए कहा, 'देश की सेना और जवान प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं।' यह बात मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कही है। जगदीश देवड़ा का यह बयान बेहद घटिया और शर्मनाक

है। यह सेना के शौर्य और साहस का अपमान है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि सेना और सैनिक किसी के चरणों में नतमस्तक है- ऐसी बात इस देश का कोई व्यक्ति कह ही नहीं सकता। क्योंकि पहलगाम हमले के बाद जिस सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया और पाकिस्तान की रूह कंपा दी, उस सेना के लिए ऐसा कहना पाप है, लेकिन बीजेपी और उनके नेता ये काम बार-बार कर रहे हैं।

विजय सिन्हा ने राहुल गांधी को बताया ड्रामेबाज

बोले- अभिनेता बनने की कोशिश में उड़ा रहे संविधान का मजाक

▸▸ सिन्हा ने दोनों नेताओं पर नाटकीय राजनीति के जरिए वोट हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, खासकर बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर, उन्हें ड्रामेबाज लोग कहा।

एजेंसी

बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उन्हें और बिहार में विपक्ष के नेता को अराजकता के प्रतीक करार दिया, जो लोकतंत्र और संवैधानिक नियमों की अवहेलना करते हैं।सिन्हा ने दोनों नेताओं पर नाटकीय राजनीति के जरिए वोट हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया, खासकर बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर, उन्हें ड्रामेबाज लोग कहा।भाजपा नेता ने कहा कि देश के विपक्ष के नेता और बिहार के विपक्ष के नेता दोनों अराजकता के प्रतीक हैं

अमित शाह ने नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेंसी सेंटर का किया उद्घाटन

कहा- आतंकवाद के खिलाफ मजबूत हुआ भारत का सुरक्षा तंत्र

उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को देश की बढ़ी हुई रणनीतिक और परिचालन क्षमता का एक उल्लेखनीय प्रमाण बताया।उन्होंने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सटीक और समय पर खुफिया जानकारी और भारत के सशस्त्र बलों की सटीक मारक क्षमता को दिया।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी-एजेंसी सेंटर का उद्घाटन

किया, जिसमें भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफिया ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित किया गया।उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए, शाह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को देश की बढ़ी हुई रणनीतिक और परिचालन क्षमता का एक उल्लेखनीय प्रमाण बताया। उन्होंने ऑपरेशन की सफलता का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सटीक और समय पर खुफिया जानकारी और भारत के सशस्त्र बलों की सटीक मारक क्षमता को दिया।'

हमारी सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण के लिए योजना बनाएगी: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

▸▸ मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली की मंडियों में सुविधाओं का अभाव है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मंडियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए कुछ नहीं किया। यहां मजदूर और व्यापारी काम करते है लेकिन न तो सफाई है और न ही सुरक्षा।

एजेंसी

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आजादपुर मंडी का दौरा करने के एक दिन बाद शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण की योजना तैयार करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, दिल्ली की मंडियों में सुविधाओं का अभाव है। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मंडियों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए कुछ नहीं किया।यहां मजदूर और व्यापारी काम करते है लेकिन न तो सफाई है और न ही सुरक्षा।

लड़ाई **सिंधु जल संधि को लेकर आपस में भिड़ गए उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती**

हक की लड़ाई है, युद्धोन्माद नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। तुलबुल नौवहन परियोजना को पुनर्जीवित करने की मांग को लेकर शुक्रवार को जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पूर्ववर्ती महबूबा मुफ्ती के बीच सोशल मीडिया पर सार्वजनिक बहस छिड़ गई।महबूबा मुफ्ती ने सरकार पर भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त होने के बीच उकसाने वाले कदम उठाने का आरोप लगाया।हालांकि, अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मुफ्ती इस विचार का विरोध करके सस्ते प्रचार के लिए और पाकिस्तान में कुछ लोगों को खुश करने की कोशिश कर रही हैं। तुलबुल नेविगेशन परियोजना का उद्देश्य बांदीपुरा जिले में झेलम से बहने वाली वुलर झील को पुनर्जीवित

करना है। परियोजना 1987 में शुरू की गई थी, लेकिन 2007 में पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण इसे रोक दिया गया था कि यह सिंधु जल संधि का उल्लंघन करती है। पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को भारत द्वारा संधि को निलंबित करने के बाद, अब्दुल्ला ने गुरुवार को वुलर झील पर परियोजना में काम फिर से शुरू

परियोजना 1987 में शुरू की गई थी, लेकिन 2007 में पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण इसे रोक दिया गया था कि यह सिंधु जल संधि का उल्लंघन करती है।पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को भारत द्वारा संधि को निलंबित करने के बाद, अब्दुल्ला ने गुरुवार को वुलर झील पर परियोजना में काम फिर से शुरू करने का आह्वान किया।एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि पाकिस्तान के साथ जल समझौते को स्थगित रखा गया है, मुझे आश्चर्य है कि क्या हम परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे।

करने का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि पाकिस्तान के साथ जल समझौते को स्थगित रखा गया है, मुझे आश्चर्य है कि क्या हम परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे।उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि उत्तरी कश्मीर में वुलर झील। वीडियो में आप जो सिविल कार्य देख रहे हैं, वह तुलबुल नेविगेशन बैराज है। इसे 1980 के दशक की शुरूआत में शुरू किया गया था, लेकिन सिंधु जल संधि का हवाला देते हुए पाकिस्तान के दबाव में इसे छोड़ना पड़ा।नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने कहा कि अगर तुलबुल परियोजना पूरी हो जाती है तो इससे झेलम नदी का इस्तेमाल नौवहन के लिए करने में मदद मिलेगी। इससे हमें झेलम नदी का इस्तेमाल नौवहन के लिए करने का लाभ मिलेगा। इससे डाउनस्ट्रीम बिजली परियोजनाओं के बिजली उत्पादन में भी सुधार होगा।

सम्पादकीय

सवालों से घिरा सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति को कई सवाल पूछने पड़ रहे

सुप्रीम कोर्ट को संविधान की व्याख्या का अधिकार है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वह संविधान को नए सिरे से लिखता हुआ दिखने लगे। यह पहली बार नहीं है जब उसने न्यायिक सक्रियता की अति की हो। उसने कृषि कानूनों की परख किए बिना ही उन पर रोक लगाकर भी ऐसा ही किया था ।न्यायिक सक्रियता अच्छी बात है, लेकिन जब वह अति सक्रियता में बदल जाए और इस क्रम में संविधान की अनदेखी कर अपनी सीमा का अतिक्रमण करता दिखने लगे तो फिर उससे सवाल किए ही जाने चाहिए। यह आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सुप्रीम कोर्ट से अन्य प्रश्नों के साथ यह पूछतीं कि जब संविधान में विधेयकों की मंजूरी के लिए समय सीमा का प्रविधान नहीं है तो फिर वह यह काम कैसे कर सकता है ?राष्ट्रपति को ऐसे कई सवाल इसलिए पूछने पड़ रहे हैं, क्योंकि कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु मामले में अपने निर्णय में वहां के राज्यपाल को आदेशित किया था कि उन्हें विधानसभा से पारित विधेयकों पर तय समय में फैसला लेना होगा। उसने यह भी कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए विधेयकों पर राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर फैसला लेना होगा और यदि तय समय सीमा में फैसला नहीं लिया जाता तो राष्ट्रपति को राज्य को इसका कारण बताना होगा ।वह यहीं नहीं रुका था, उसने ऐसे किसी विषय पर राष्ट्रपति को खुद से सलाह लेने को भी कह दिया था। ऐसा आदेश देकर सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से राज्यपाल और राष्ट्रपति की संवैधानिक शक्तियों में बदलाव कर दिया था। किसी के लिए समझना कठिन था कि ऐसा किस अधिकार से किया गया ?इससे भी विचित्र बात यह हुई थी कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के पास विचारार्थ तमिलनाडु के विधेयकों को खुद मंजूरी देकर उनके कानून बनने का रास्ता साफ कर दिया था। ऐसा इसके पहले कभी नहीं हुआ। उसने एक तरह से राज्यपाल और राष्ट्रपति, दोनों की शक्तियों को अपने हाथ ले लिया था ।इसी कारण इस फैसले पर सवाल उठे थे और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने तो सुप्रीम कोर्ट को निशाने पर लेते हुए तीखी टिप्पणी थी। सुप्रीम कोर्ट के उक्त विवादित और हैरान करने वाले फैसले पर इसलिए और भी सवाल उठे थे, क्योंकि वह फैसला दो न्यायाधीशों की पीठ ने दिया था, किसी संविधान पीठ ने नहीं। यह न्यायिक सीमा का अतिक्रमण नहीं तो और क्या था ?इससे इन्कार नहीं कि राज्यपाल कई बार विधानसभा से पारित विधेयकों पर कोई फैसला नहीं लेते और महीनों उन्हें दबाए बैठे रहते हैं। इस समस्या का समाधान निकाला ही जाना चाहिए, लेकिन इसके नाम पर सुप्रीम कोर्ट ऐसा निर्णय कैसे दे सकता है, जो संविधानसम्मत न हो ।सुप्रीम कोर्ट को संविधान की व्याख्या का अधिकार है

आज का विचार

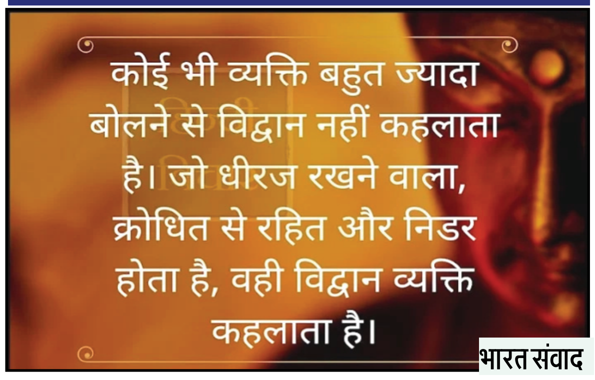

मेष राशि: प्रेम जीवन जी रहे मेष राशि के रिश्ते में एक नया मोड़ आएगा. आप अपने साथी के प्रेम में डूबे नजर आएंगे, उनके साथ एक रोमानी दिन व्यतीत करेंगे. आपको अपने किसी मित्र की सेहत की चिंता सता सकती है, जिनके लिए आप कुछ रुपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं.

वृषभ राशि : वृषभ के लिए दिन आपके लिए उन्नति दिलाने वाला रहेगा. आपके हाथ एक साथ कई काम लगने से आपकी व्यग्रता बढ़ सकती है. बिजनेस कर रहे लोग कड़वाहट को मिठास में बदलने की कला को सीख कर लोगों से आसानी से काम निकलवा पाएंगे.

मिथुन राशि: दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है. जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, तो उनकी वह इच्छा पूरी हो सकती है. आपको यदि कार्यक्षेत्र में कोई काम सौंपा जाए, तो आपको उसे समय रहते पूरा करना होगा. टीमवर्क के जरिए काम करके आप लोगों को प्रसन्न करने में कामयाब रहेंगे.

कर्क राशि : दिन कर्क राशि के लिए निराशा भरा रहेगा. आप यदि किसी काम में हाथ डालेंगे, तो उसमें आपको निराशा हाथ लगेगी. अगर आप निवेश करना चाहते हैं तो किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह मशवरे से ही करें. आप जीवनसाथी के लिए किसी नए काम की योजना बना सकते हैं.

सिंह राशि: दिन सिंह के लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा. बिजनेस कर रहे लोग अपनी योजनाओं से अच्छा धन कमाएंगे. आप अध्ययन व अध्यात्म के प्रति भी पूरी रुचि दिखाएंगे. आपको अपने कुछ कामों को कल पर टालने से बचना होगा

कन्या राशि: दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है. नौकरी में कार्यरत लोग यदि किसी पार्ट टाइम कार्य को करने की योजना बना रहे हैं, तो उनकी वह ईच्छा आज पूरी होगी. आपको कार्य क्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग व लाभ मिलेगा.

तुला राशि: दिनः कल का दिन तुला के लिए आत्मविश्वास में वृद्धि लेकर आएगा. विद्यार्थी यदि किसी परीक्षा की तैयारियों में लगे हैं, तो उन्हें उसमें कठिन परिश्रम करना होगा, तभी वह सफलता हासिल कर सकेंगे. आपके आत्म सम्मान में वृद्धि होने से आप सभी कामो में निःसंकोच आगे बढ़ेंगे.

वृश्चिक राशि : दिन सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए उत्तम रहने वाला है. आप अच्छे कामों से किसी बड़े पद की प्राप्ति कर सकते हैं. अविवाहित जातकों के लिए उत्तम विवाह के प्रस्ताव आ सकते हैं.

धनु राशि : दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है. यदि आपको संतान के करियर की चिंता सता सकती है और कार्य क्षेत्र में आपको कोई पदोन्नति अथवा वेतन वृद्धि जैसी शुभ सूचना सुनने को मिल सकती है, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा.

मकर राशि: प्रेम जीवन जी रहे लोगों को कल अपने साथी से बातचीत करते समय सावधान रहना होगा व उनकी किसी भी गलत बात में हां मे हा ना करें, नहीं तो बाद में समस्या हो सकती है. यदि कार्यक्षेत्र में आपसे पहले कोई गलती हुई थी

कुंभ राशि: कुंभ के लिए का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से उत्तम होने वाला है. संतान पक्ष की ओर से आपको कोई प्रसंन्नतादायक सूचना सुनने को मिल सकती है. आप परिवार में किसी वरिष्ठ सदस्य से किसी बात को लेकर जिद ना करें, नहीं तो वह आपसे नाराज हो सकते हैं. व्यापार कर रहे लोगों को कुछ बेहतर अवसर मिलेगे

मीन राशि: दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है. घर परिवार में सदस्यों के बीच किसी बात को लेकर कोई लड़ाई झगड़ा हो सकता है, जिसमें आपको दोनों पक्षों के सुनकर ही कोई निर्णय लेना होगा. कल तनाव रहने के कारण आपका मन परेशान रहेगा. यदि कोई संपत्ति संबंधित आपको लंबे समय से परेशान कर रहा था

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भारत को विकसित बनाने वाली मुद्रा योजना, उपलब्धियों पर हमें गर्व करना चाहिए

> विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने में मुद्रा सर्वथा उपयुक्त पहल है क्योंकि यह जनसांख्यिकीय स्थिति का लाभ उठाने की दिशा में शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज के स्थानों में भी सदैव आकांक्षी वर्ग की उद्यमशीलता की क्षमता को सक्रिय करती है और उत्पादन के दो महत्वपूर्ण कारकों-विनिर्माण और कृषि/संबद्ध गतिविधियों को मजबूत करती है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ हैं। ये व्यवसाय मुख्य रूप से असंगठित संगठनों के रूप में कार्य करते हुए भारत के सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। 2024-25 में भारत के कुल निर्यात में उनका योगदान 45.79 प्रतिशत रहा। एमएसएमई को ऋण उपलब्ध कराना हमारी वित्तीय प्रणाली के लिए एक चुनौती रही है, लेकिन हाल के समय में बैंकों द्वारा भारत की नवीन प्रौद्योगिकी को पूरी तरह आत्मसात कर लिया गया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना यानी पीएमएमवाइ उद्यमशीलता और स्वरोजगार को गति देकर व्यापक परिवर्तन लाने में सफल रही है। पीएमएमवाइ के अधिकांश लाभार्थी सामान्य शुरुआत कर पहली पीढ़ी के व्यवसायी बने हैं। वित्त वर्ष 2015-16 से आरंभ पीएमएमवाइ एक युगांतकारी अग्रणी कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य वित्त विहीन सूक्ष्म उद्यमों और छोटे व्यवसायों को वित्त उपलब्ध कराना है। प्रारंभ में इस योजना का लक्ष्य विनिर्माण, व्यापार और सेवा क्षेत्र सहित गैर-कृषि क्षेत्र था। बाद में इसके अंतर्गत कृषि गतिविधियों को भी शामिल कर लिया गया। पीएमएमवाइ के तहत कुल ऋण भुगतान वित्त वर्ष 2016 में 1.37 लाख करोड़ रुपये रहा, जो वित्त वर्ष

2025 में फरवरी के अंत तक 4.8 लाख करोड़ रुपये हो गया। औसत ऋण राशि जो 2016 में 38,100 रुपये थी, वह 2025 में बढ़कर 1,02,870 रुपये हो गई। इस दौरान लगभग सभी बैंकों में औसत ऋण राशि में वृद्धि देखी गई। पीएमएमवाइ की कुछ प्रमुख विशेषताएं इसे पिछली ऐसी योजनाओं से अलग करती हैं। पीएमएमवाइ को जोखिम मुक्त रखने की कोशिश की गई है, ताकि ऋण प्रवाह निरंतर सुनिश्चित हो। पीएमएमवाइ में सिक्योरिटी/जमानत आधारित ऋण के बजाय नकदी प्रवाह आधारित ऋण देने पर जोर दिया गया है। अब ऋण लेने वाले उद्यम मित्र पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत लगभग 52 करोड़ मुद्रा ऋणों में 33.19 लाख करोड़ रुपये की राशि प्रदान की गई है। पीएमएमवाइ का सामाजिक प्रभाव भी बहुत गहरा है। इसे सामाजिक समूहों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर इसके प्रभाव से समझा जा सकता है। सामाजिक समूहों के संदर्भ में पीएमएमवाइ ने कमजोर वर्गों को चरणबद्ध तरीके से ऋण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसमें एससी-एसटी और ओबीसी जैसी उपश्रेणियों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी है, जो लाभार्थियों का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा (52 करोड़ में से 26 करोड़ रुपये) हैं। महिलाएं भी पीएमएमवाइ का अभिन्न हिस्सा हैं। कुल खातों का लगभग 69 प्रतिशत महिला लाभार्थियों का है। पीएमएमवाइ ने समावेशन के मामले में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। अल्पसंख्यक समुदायों के लाभार्थियों द्वारा 5.70 करोड़ मुद्रा ऋणों का लाभ उठाना इसका उदाहरण है। मुद्रा इकोसिस्टम के साथ जुड़ाव समग्र रूप से बैंक और उसके कार्यबल के लिए एक उत्साहवर्धक अनुभव रहा है। भारतीय बैंकर के रूप में एसबीआई नेक और न्यायपूर्ण उद्देश्यों को पूरा करने में सदैव सबसे आगे रहा है। हम लाखों सूक्ष्म और लघु उद्यमियों, विशेष रूप से नए आवेदकों को अपनी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए अथक प्रयास करते हैं। हमारी शाखाओं के साथ-साथ हम अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे की उपलब्धता यथासमय सुनिश्चित करते हैं, जिससे बैंक रहित या अल्प-बैंकिंग सुविधा वाले लोगों की जरूरतों और आशाओं के अनुरूप सरलता से समयबद्ध ऋण वितरण किया जाता है। बैंक ने 1.72 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋणों का वित्तपोषण किया है, जिसमें तीन लाख करोड़ से अधिक की राशि स्वीकृत की गई। इससे देश के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक गतिशील व्यवसाय अनुकूल इकोसिस्टम बना है। अभी, यह केवल एक शुरुआत मात्र है। डिजिटलीकरण और मुद्रा ऋणों की लोन प्रोसेसिंग और उसकी मंजूरी को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित करने के कारण हम इसमें अधिकाधिक योगदान देने में सक्षम हुए हैं। एसबीआई ने जनसमर्थ प्लेटफार्म के माध्यम से 10 लाख तक के ऋण के लिए एक डिजिटल ऋण निर्णय माडल मुद्रा-बीआरई शुरू किया है। यह पहल मानवीय हस्तक्षेप को कम करती है और त्वरित ऋण मंजूरी सुनिश्चित करती है। जैसे-जैसे महत्वाकांक्षी इकाइयां तेजी से विकास करती हैं, वैसे-वैसे हमारे बैंक की उपस्थिति एवं निगमित ऋण से जुड़ाव उन्हें सहयोग प्रदान करता है। नए बाजारों में पैठ बनाने/सही तकनीक आत्मसात करने एवं मूल्यवान संसाधनों की बढ़त के साथ उपयुक्त भागीदारों के साथ जुड़ने की इच्छुक इकाइयों के लिए हमारी कागज रहित ऋण वितरण प्रणाली में असीम संभावनाएं हैं। विकसित भारत के हमारे सपने को साकार करने में मुद्रा सर्वथा उपयुक्त पहल है, क्योंकि यह जनसांख्यिकीय स्थिति का लाभ उठाने की दिशा में शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ दूरदराज के स्थानों में भी सदैव आकांक्षी वर्ग की उद्यमशीलता की क्षमता को सक्रिय करती है और उत्पादन के दो महत्वपूर्ण कारकों-विनिर्माण और कृषि/संबद्ध गतिविधियों को मजबूत करती है। जब यह योजना अपने अतुल्य प्रभाव के 10 वर्ष पूरे कर रही है, तब हमें इसकी व्यापक उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति होती है।

भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है राजनीति में भाषा का गिरता स्तर

(संदीप सृजन)

लोकतंत्र का आधार है विचारों का स्वतंत्र और सम्मानजनक आदान-प्रदान। जब राजनीतिक भाषा अपमानजनक और भड़काऊ हो जाती है, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करती है। लोग तथ्यों और नीतियों पर चर्चा करने के बजाय व्यक्तिगत हमलों और भावनात्मक मुद्दों में उलझ जाते हैं। इससे जनता का ध्यान महत्वपूर्ण मुद्दों से हट जाता है। आक्रामक और भड़काऊ भाषा समाज में विभाजन को बढ़ावा देती है। जब नेता धर्म, जाति, क्षेत्र या अन्य आधारों पर भड़काऊ बयान देते हैं, तो यह सामाजिक समूहों के बीच अविश्वास और तनाव को जन्म देता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में यह विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि यह सामाजिक एकता को खतरे में डाल सकता है। भड़काऊ भाषा का सबसे गंभीर परिणाम है हिंसा को बढ़ावा देना। इतिहास में कई उदाहरण हैं, जहां नेताओं के भड़काऊ बयानों के कारण दंगे, हिंसा और सामाजिक अशांति फैली है। आज के डिजिटल युग में, सोशल मीडिया के माध्यम से ऐसी भाषा तेजी से फैलती है और इसके परिणामस्वरूप हिंसक घटनाएं बढ़ रही हैं। राजनीति समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो न केवल नीतियों और प्रशासन को आकार देती है, बल्कि सामाजिक मूल्यों, संस्कृति और नैतिकता को भी प्रभावित करती है। राजनीति में भाषा का उपयोग नेताओं और जनता के बीच संवाद का प्रमुख माध्यम है। यह भाषा न केवल विचारों को व्यक्त करती है, बल्कि समाज में वैचारिक और भावनात्मक प्रभाव भी डालती है। हालांकि, हाल के वर्षों में राजनीतिक भाषा का स्तर तेजी से गिरता जा रहा है। व्यक्तिगत हमले, अपमानजनक टिप्पणियां, भड़काऊ बयान और असभ्य भाषा का उपयोग अब आम बात हो गई है। यह प्रवृत्ति न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है, बल्कि समाज में विभाजन,

हिंसा और अविश्वास को भी बढ़ावा दे रही है। आधुनिक युग में मीडिया और सोशल मीडिया ने राजनीतिक संवाद को नया रूप दिया है। ट्विटर, फेसबुक और अन्य डिजिटल मंचों ने नेताओं को जनता से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान किया है। हालांकि, इन मंचों पर संक्षिप्त और आकर्षक संदेशों की मांग ने भाषा को सनसनीखेज और आक्रामक बना दिया है। नेताओं द्वारा की गई छोटी-छोटी टिप्पणियां या मीम्स अक्सर व्यक्तिगत हमलों या अपमानजनक भाषा का रूप ले लेते हैं। इसके अलावा, न्यूज चैनलों की प्रतिस्पर्धा ने भी भड़काऊ और अतिश्योक्तिपूर्ण बयानों को बढ़ावा दिया है, क्योंकि यह अधिक दर्शकों को आकर्षित करता है। भारत सहित विश्व के कई देशों में राजनीतिक ध्रुवीकरण अपने चरम पर है। विभिन्न विचारधाराओं और दलों के बीच बढ़ती खाई ने संवाद को कटु बना दिया है। नेताओं के बीच विचार-विमर्श के बजाय एक-दूसरे पर कीचड़ उछालना आम हो गया है। इस ध्रुवीकरण ने भाषा को न केवल आक्रामक बनाया है, बल्कि इसे वैचारिक हिंसा का हथियार भी बना दिया है। आज के दौर में कई नेता पॉपुलिस्ट रणनीतियों का सहारा लेते हैं, जिसमें वे जनता की भावनाओं को भड़काने के लिए सरल और आक्रामक भाषा का उपयोग करते हैं। यह भाषा अक्सर तथ्यों और तर्कों से परे होती है और केवल भावनात्मक उत्तेजना पैदा करने पर केंद्रित होती है। जनता भी ऐसी भाषा को तुरंत स्वीकार कर लेती है, क्योंकि यह उनकी निराशा और गुस्से को प्रतिबिंबित करती है।

पहले के समय में राजनीतिक नेताओं के बीच एक निश्चित स्तर की गरिमा और शालीनता देखी जाती थी। आज वो स्थिति नदारद है ।आज कई नेता व्यक्तिगत हमलों और अपमानजनक भाषा का सहारा लेते हैं, क्योंकि वे इसे अपनी लोकप्रियता बढ़ाने का आसान तरीका मानते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल नेताओं के बीच, बल्कि उनके समर्थकों और जनता में भी फैल रही है। राजनीतिक भाषा का स्तर गिरने का एक कारण यह भी है कि जनता में तथ्य-आधारित और तार्किक संवाद की मांग कम हो रही है। कई बार लोग बिना सोचे-समझे नेताओं की आक्रामक और अपमानजनक भाषा का समर्थन करते हैं। शिक्षा और जागरूकता की कमी के कारण जनता ऐसी भाषा को सामान्य मानने लगती है। राजनीतिक भाषा का गिरता स्तर नई पीढ़ी के लिए एक गलत उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। जब बच्चे और युवा नेताओं को अपमानजनक और आक्रामक भाषा का उपयोग करते देखते हैं, तो वे इसे सामान्य मानने लगे हैं। इससे समाज में नैतिकता, सम्मान और शालीनता जैसे मूल्यों का ह्रास हो रहा है। आज राजनीतिक भाषा विश्वसनीयता और तथ्यों से दूर हो रही है। राजनीतिक नेताओं को अपनी भाषा के प्रति जवाबदेह बनाना आवश्यक है। इसके लिए कानूनी और नैतिक दिशानिर्देश बनाए जाने चाहिए, जो अपमानजनक और भड़काऊ भाषा के उपयोग को प्रतिबंधित करें। साथ ही, जनता को भी नेताओं से शालीन और तथ्य-आधारित संवाद की अपेक्षा करनी चाहिए। मीडिया को भड़काऊ और सनसनीखेज बयानों को बढ़ावा देने के बजाय तथ्य-आधारित और संतुलित पत्रकारिता पर ध्यान देना चाहिए। न्यूज चैनलों और डिजिटल मंचों को ऐसी सामग्री को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो विचार-विमर्श और संवाद को बढ़ावा दे। सोशल को भड़काऊ और अपमानजनक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए सख्त नीतियां लागू करनी चाहिए। साथ ही, नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों के खातों की निगरानी करनी चाहिए ताकि वे गलत सूचना या हिंसा को बढ़ावा न दे सकें ।राजनीतिक दलों और नेताओं को सकारात्मक उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है। वे नीतियों और विचारों पर आधारित स्वस्थ बहस को बढ़ावा दे सकते हैं। साथ ही, जनता को भी ऐसी भाषा और नेताओं का समर्थन करना चाहिए, जो सम्मान और गरिमा को बनाए रखें ।राजनीति में गिरता भाषा का स्तर न केवल लोकतंत्र के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। यह प्रवृत्ति सामाजिक एकता, नैतिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। हालांकि, यह समस्या असाध्य नहीं है। नेताओं, मीडिया, जनता और संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से इस प्रवृत्ति को रोका जा सकता है। हमें एक ऐसी राजनीतिक संस्कृति की ओर बढ़ना होगा, जो सम्मान, तथ्य और विचार-विमर्श पर आधारित हो। केवल तभी हम एक स्वस्थ और समावेशी लोकतंत्र का निर्माण कर सकते हैं, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने।

भारतीय सनातन संस्कृति बनाम खोखली आधुनिकता

संजीव ठाकुर

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं,जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा। भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं ।पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है।

चीफ जस्टिस गवई के पहले फैसले से पूर्व सीएम नारायण राणे 'क्लीन बोल्ड', महाराष्ट्र में गरमा सकती है राजनीति

महाराष्ट्र से आने वाले बी आर गवई के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद पूर्व सीएम नारायण राणे को झटका लगा है। सीजेआई ने पहले फैसले में पुणे में बिल्डर को ट्रांसफर की गई जमीन को गैरकानूनी करार दिया था। महाराष्ट्र में इस मुद्दे पर राजनीति गरमाने की उम्मीद है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई/नई दिल्ली: महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बी आर गवई) के सुप्रीम कोर्ट की बागडोर संभालने के बाद बीजेपी नेता और पूर्व सीएम नारायण राणे को करारा झटका लगा है। यह महज संयोग है कि गवई के सीजेआई बनने के बाद महाराष्ट्र के कद्दावर नेता नारायण राण पहली गेंद पर बोल्ड हो गए हैं। गुरुवार को सीजेआई ने अपने पहले फैसले में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता नारायण राणे के राजस्व मंत्री रहते लिए गए एक फैसले को निरस्त कर दिया। राणे पर आरोप है कि उन्होंने अपने करीबी बिल्डर को पुणे जिले की वन विभाग की 30 एकड़ जमीन दी थी।गरमा सकती है राजनीति

सीजेआई ने उक्त जमीन वन विभाग को वापस कर देने के आदेश देते हुए कहा कि देश भर में ऐसे सभी मामलों की जांच होनी चाहिए जहां नेता-अफसर-बिल्डर मिलीभगत है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में हड़कंप की स्थिति है। नारायण राणे मोदी 2.0 में केंद्रीय मंत्री थी।इस बार वह मंत्री नहीं है लेकिन लोकसभा चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। वह रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से लोकसभा सदस्य हैं। उनके बड़े बेटे नीलेश राणे शिवसेना से विधायक है तो छोटा बेटा नितेश राणे बीजेपी से फडणवीस सरकार में मंत्री हैं।

जबरदस्त... 'ऑपरेशन सिंदूर' को महाराष्ट्र सीएम फडणवीस ने दी अनूठी सलामी, इस अंदाज के आप भी हो जाएंगे मुरीद

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने आतंकियों और पाकिस्तान की कमरतोड़ी थी। महाराष्ट्र के सीएम फडणवीस ने तब कहा था कि सैन्य हमले का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' मिशन की गंभीरता और महत्व का प्रतीक है, जो हमले के पीछे गहरी राष्ट्रीय भावना का संकेत देता है। अब उन्होंने अपने अनूठे ढंग से ऑपरेशन सिंदूर को सलाम किया है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई: भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष भले ही रुक गया और दोनों देशों के बीच सीजफायर है लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ किया है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तरह जो कार्रवाई की थी वह सिर्फ ट्रेलर थी फिल्म तो अभी बाकी है। रक्षा मंत्री राजानाथ सिंह के बड़े बयान के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' बेहद अनूठे तरीके से सैल्यूट किया है। सीएम फडणवीस ने अपनी तमाम निजी सोशल मीडिया अकाउंट में ऑपरेशन सिंदूर की डीपी न लगाते हुए इस मास्टहेड/कवर फोटो में जगह दी है।

दुनिया भर में है गूंज

भारतीय सेना के सटीक ऑपरेशन सिंदूर की गूंज दुनियाभर में है। 7 मई की भारतीय सेना 23 मिनट में पीओके और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों को धवस्त कर दिया था। ऑपरेशन सिंदूर ने इजरायल की तरह भारत की नई ताकत और पराक्रम को शोकेस किया है। फडणवीस के सोशल मीडिया हैंडल में ऑपरेशन सिंदूर के लोगो (प्रतीक चिन्ह) को जगह दी गई है। फडणवीस ने अपने अकाउंट के मास्टहेड में रामलला की प्रतिमा, अयोध्या राम मंदिर, मेट्रो के साथ महाराष्ट्र के मैप को रखा है। विधानसभा चुनावों में जब महायुति की प्रचंड जीत मिली थी तब फडणवीस ने मास्टहेड बदला था। उसके बाद उन्होंने अपने मास्टहेड में ऑपरेशन सिंदूर को रखा है।

सोफिया-मिसरी-व्योमिका बने आवाज

भारत ने 6-7 मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था। भारत की सेना ने बेहद सटीक तरीके से आतंकियों के नौ ठिकानों पर ऐसी स्ट्राइक की थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति को पहली प्रतिक्रिया में कहना पड़ा था कि मुझे पता था कि भारत कुछ बड़ा करने वाला है। सात मई की सुबह कर्नल सोफिया कुरैशी, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने इस ऑपरेशन को दुनिया के सामने रखा था। तब से ऑपरेशन सिंदूर सुर्खियों में है। पीएम मोदी भी कह चुके हैं कि यह खत्म नहीं हुआ है बल्कि बस रद्द किया गया है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के सामने आया है कि इस ऑपरेशन की जानकारी सिर्फ चार लोगों की थी।

पश्चिम रेलवे द्वारा दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित

फास्ट ट्रैक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर समान संरचना, समय, ठहराव तथा मार्ग पर चलने वाली 2 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तारित किये गये हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल-खातीपुरा सुपरफास्ट स्पेशल को 30 जून, 2025 तक विस्तारित किया गया है।
2. ट्रेन संख्या 09002 खातीपुरा-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल को 01 जुलाई, 2025 तक विस्तारित किया गया है।
3. ट्रेन संख्या 09007 वलसाड-खातीपुरा स्पेशल को 26 जून, 2025 तक विस्तारित किया गया है।
4. ट्रेन संख्या 09008 खातीपुरा-वलसाड स्पेशल को 27 जून, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

ट्रेन संख्या 09001 एवं 09007 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 19.05.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

श्री ई. श्रीनिवास ने रेल सुरक्षा आयुक्त, पश्चिमी सर्किल, मुंबई का कार्यभार ग्रहण किया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, भारतीय रेल सिगनल इंजीनियर्स सेवा (IRSSE) के 1994 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री ई. श्रीनिवास ने हाल ही में पश्चिमी सर्किल, मुंबई के रेल सुरक्षा आयुक्त का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। श्री श्रीनिवास को भारतीय रेल में लगभग तीन दशकों का समृद्ध और विविध अनुभव प्राप्त है। आपने बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है। आपने INSEAD, सिंगापुर और ICLIF, कुआलालंपुर, मलेशिया में प्रतिष्ठित एडवांस मैनेजमेंट प्रोग्राम भी पूरा किया है। श्री श्रीनिवास ने अपना शानदार करियर दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद में सहायक सिगनल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में शुरू किया। पिछले कई वर्षों में आपने विभिन्न क्षेत्रीय रेलों में विविध महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। आपके उल्लेखनीय कार्यों में दक्षिणी सर्किल, बेंगलुरु में रेल सुरक्षा उपायुक्त (तकनीकी) के रूप में आपका कार्यकाल शामिल है, जहां आपने दक्षिण रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे और बेंगलुरु, चेन्नई और कोच्चि में मेट्रो रेल प्रणालियों में सिगनलिंग प्रणालियों के सुरक्षा प्रमाणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान कार्यभार संभालने से पहले श्री श्रीनिवास भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के तहत उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) में संयुक्त सचिव के रूप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे। श्री ई. श्रीनिवास अपने व्यावसायिकता, नेतृत्व और रेल परिचालन में सेफ्टी के प्रति प्रतिबद्धता के लिए सहकर्मियों और अधीनस्थों के बीच अत्यधिक सम्माननीय हैं।

IRCTC द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट पर भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा आला हेरिटेज टूर पहली 100 बुकिंग पर 5% की छूट.

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

IRCTC की विशेष टूर पेशकश में रायगढ़ किला, पुणे (लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि), शिवनेरी किला, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, प्रतापगढ़ किला और कोल्हापुर (महालक्ष्मी मंदिर और पन्हाला किला) शामिल हैं। बहुप्रतीक्षित ट्रेन टूर छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट टूर 09 जून, 2025 को रवाना होने के लिए तैयार है। 05 रातों और 06 दिनों की यात्रा कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन से शुरू होगा। अत्याधुनिक भारत गौरव एसी टूरिस्ट ट्रेन जिसमें स्लीपर, एसी ककक टियर और एसी-कक टियर कोच हैं, जिसमें कुल 748 पर्यटकों को समायोजित करने की क्षमता है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दादर और ठाणे रेलवे स्टेशन से भी सवार हो सकते हैं। आईआरसीटीसी 'छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट' पर अपनी तरह का पहला हेरिटेज टूर संचालित करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े प्रमुख स्थलों को कवर करेगा।

पहले दिन: छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से कोंकण रेलवे नेटवर्क पर मानगांव रेलवे स्टेशन के लिए अपनी यात्रा शुरू करेगा, जो रायगढ़ किले के लिए निकटतम रेलवे लिंक है। पहला गंतव्य रायगढ़ है, जो उसी नाम के पहाड़ी किले के लिए जाना जाता है जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक या राज्याभिषेक हुआ था और बाद में यह उनकी राजधानी थी जहां से उन्होंने शासन किया था। दर्शनीय स्थलों की यात्रा पूरी होने पर, पर्यटक वापस ट्रेन में लौट आएंगे क्योंकि यह अगले गंतव्य पुणे के लिए आगे बढ़ेगी, जहां पर्यटक रात का भोजन करेंगे और पुणे में होटल में रात बिताएंगे।

दूसरे दिन: जैसा कि नाम से पता चलता है, लाल महल एक लाल रंग का महल है जिसे छत्रपति शिवाजी के पिता शाहजी भोसले ने 1630 ई. में अपनी पत्नी जीजाबाई और बेटे के लिए बनवाया था। वर्तमान संरचना का पुनर्निर्माण 1984 में उस भूमि के एक हिस्से पर किया गया था जहाँ लाल महल खड़ा था और इसमें तेल चित्रों का एक विशाल संग्रह है जो छत्रपति

शिवाजी महाराज के महत्वपूर्ण जीवन की घटनाओं को दशार्ता है। पुणे के पीठासीन देवता कस्बा गणपति का मंदिर 1893 का है और माना जाता है कि इसे छत्रपति शिवाजी महाराज की माँ जीजाबाई ने बनवाया था। तब से, शहर को गणेश के शहर के रूप में जाना जाता है। बाद में दिन में, पर्यटक शिवसृष्टि का दौरा करेंगे - छत्रपति शिवाजी महाराज की कथा को प्रदर्शित करने वाला सबसे बड़ा ऐतिहासिक थीम पार्क। पर्यटक मराठा शासक की जीवन कहानी को 3डी में देखेंगे और अन्य इंटरैक्टिव सत्रों का आनंद लेंगे। पुणे में रात्रि विश्राम के बाद

तीसरे दिन : मेहमान शिवनेरी की यात्रा करेंगे, जो पुणे शहर से 95 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। शिवनेरी किला जुन्नार शहर के ऊपर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म स्थान है और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव और प्रतिरोध का प्रतीक है। दोपहर के भोजन के बाद, पर्यटक रात के विश्राम के लिए पुणे लौटने से पहले 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर का दौरा करेंगे।

चौथे दिन: पर्यटक सतारा की आगे की यात्रा के लिए ट्रेन में सवार होंगे। इस स्टेशन से कवर किया जाने वाला मुख्य स्थल प्रतापगढ़ किला है जो 1659 में छत्रपति शिवाजी महाराज और बीजापुर सल्तनत के जनरल अफजल खान के बीच हुए प्रतापगढ़ के युद्ध के कारण ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस युद्ध ने मराठा साम्राज्य की स्थापना के लिए मंच तैयार किया था। यात्रा के बाद, पर्यटक एक उपयुक्त स्थान पर दोपहर का भोजन करेंगे और वापस ट्रेन के लिए रवाना होंगे क्योंकि यह इस दौरे के अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए आगे बढ़ेगी।

5वें दिन: ट्रेन सुबह-सुबह छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी। नहाने-धोने और होटल में नाश्ता करने के बाद पर्यटक अंबाबाई के नाम से लोकप्रिय महालक्ष्मी मंदिर जाएंगे और उसके बाद पन्हाला किला देखेंगे। सह्याद्री पर्वतमाला के ऊपर स्थित यह पहाड़ी किला कई लड़ाइयों का गवाह है और छत्रपति शिवाजी महाराज से इसका गहरा संबंध है, जिन्होंने 500 से अधिक दिन वहां बिताए थे जहां उन्हें बंदी बनाकर रखा गया था और बाद में वे भाग निकले थे। पन्हाला किला - जिसे 'सांपों का किला' भी कहा जाता है क्योंकि यह आकार में टेढ़ा-मेढ़ा है। यह किला छत्रपति शिवाजी महाराज और शंभाजी महाराज के जीवन इतिहास से जुड़ा हुआ है। इस किले पर कब्जा करने की लड़ाई के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज के सेनापति बाजी प्रभु देशपांडे द्वारा दिखाए गए वीरता के लिए याद किया जाता है इकोनॉमी (स्लीपर क्लास) में प्रति व्यक्ति 13,155/-, कम्फर्ट (3अउ) में प्रति व्यक्ति 19,840/- और सुपीरियर (2अउ) के लिए प्रति व्यक्ति 27,365/- रुपये का पैकेज है।

पहली 100 सीधे बुकिंग पर 5% की छूट दी गई है।

सभी श्रेणियों में सर्वसमावेशी मूल्य में संबंधित वर्गों में ट्रेन यात्रा, आरामदायक होटलों में रात का ठहराव, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), बसों में सभी स्थानांतरण और दर्शनीय स्थल, यात्रा बीमा, टूर एस्कॉर्ट की सेवाएं आदि शामिल होंगे। मेहमानों को एक सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए IRCTC द्वारा सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए, आप IRCTC की वेबसाइट: https://www.irctctourism.com/bharatgaurav पर जा सकते हैं, और वेब पोर्टल पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए, आप IRCTC से 8287931886 पर संपर्क कर सकते हैं।

मध्य रेल की हरित पहल : मध्य रेल ने वर्ष 2024-2025 में 86.71% एचओजी (HOG) परिचालन हासिल किया, जिससे पर्यावरण लाभ में 170.7 करोड़ रुपये की बचत हुई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल ने ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान 86.71% हेड-ऑन जनरेशन (HOG) परिचालन हासिल किया है।

इस उल्लेखनीय प्रगति से पर्यावरण मंजूरी और परिचालन लागत में 170.7 करोड़ रुपये की अनुमानित बचत हुई है।हेड-ऑन जनरेशन (HOG) एक आधुनिक बिजली आपूर्ति प्रणाली है, जहाँ लोकोमोटिव द्वारा ओवरहेड इलेक्ट्रिक लाइनों (OHE) से सीधे बिजली खींची जाती है और एयर कंडीशनिंग, लाइटिंग और अन्य विद्युत आवश्यकताओं के लिए ट्रेन के डिब्बों में वितरित की जाती है। यह अभिनव प्रणाली पारंपरिक एंड-ऑन जनरेशन (EOG) पद्धति की जगह ले रही है, जो ट्रेन से जुड़ी डीजल से चलने वाली जनरेटर कारों पर निर्भर करती है।

ईओजी के विपरीत, जिसमें ट्रेन के दोनों छोर पर दो डीजल जनरेटर कारों की आवश्यकता होती है, एचओजी लोकोमोटिव से निर्बाध रूप से बिजली खींचता है, जिससे जनरेटर कारों की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, इससे डीजल की खपत कम होती है और हानिकारक उत्सर्जन में कमी आती है। एचओजी में परिवर्तन के परिणामस्वरूप शांत, स्वच्छ और अधिक कुशल ट्रेन परिचालन होता है।

मंडल-वार बचत:

मुंबई मंडल - 136.16 करोड़ रुपये
पुणे मंडल - 22.31 करोड़ रुपये
नागपुर मंडल - 6.96 करोड़ रुपये
सोलापुर मंडल - 3.68 करोड़ रुपये
भुसावल मंडल - 1.59 करोड़ रुपये

एचओजी की महत्वपूर्ण बचत और परिचालन लाभ न केवल लागत दक्षता में योगदान करते हैं, बल्कि देश के पर्यावरण और ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में भारतीय रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित करते हैं।

देवभूमि यात्रा के लिए 7 जून को रवाना होगी आईआरसीटीसी की भारत गौरव मानस खंड एक्सप्रेस ट्रेन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर । मध्यप्रदेश/महाराष्ट्र के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव मानस खंड एक्सप्रेस ट्रेन का संचालन किया जा रहा है, जो दिनांक 07.06.2025 को नागपुर शहर से देवभूमि बद्री केदार कार्तिक स्वामी यात्रा के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन नागपुर, इटारसी, भोपाल (रानी कमलापति), बीना, झाँसी, ग्वालियर, आगरा, मथुरा एवं हजरत निजामुद्दीन स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहाँ से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे। 08 रातें/ 09 दिनों की इस यात्रा में केदारनाथ, कार्तिक स्वामी एवं बद्रीनाथ के दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को रु. 49,990/-* प्रति व्यक्ति (3AC - कम्फर्ट श्रेणी), रु. 59,990/- प्रति व्यक्ति (2अउ - डीलक्स श्रेणी) एवं रु. 69,990/- प्रति व्यक्ति (1AC - सुपीरियर श्रेणी) किराया देना होगा। (*डबल ऑक्यूपेंसी) आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन के विशेष रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, सड़क परिवहन हेतु गुणवत्तायुक्त एसी बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है। इच्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है। इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी व बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी के भोपाल, जबलपुर एवं इंदौर रेल्वे स्टेशन कार्यालय में संपर्क कर सकते है।

पश्चिम रेलवे पर रविवार, 18 मई, 2025 को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे के वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच 20/21 मई, 2025 की मध्यरात्रि को रात्रिकालीन ब्लॉक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु मंगलवार/बुधवार की मध्यरात्रि अर्थात 20/21 मई, 2025 को वसई रोड एवं भायंदर स्टेशनों के बीच 00:30 बजे से 04:00 बजे तक अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 03.30 घंटे का जम्?बो ब्लॉक लिया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान सभी धीमी लाइन की ट्रेनें विरार/वसई रोड से बोरीवली/भायंदर स्टेशन के बीच फास्ट लाइनों पर परिचालित की जाएंगी। ब्लॉक अवधि के दौरान अप एवं डाउन दिशा की कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी। इस ब्लॉक के बारे में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। तदनुसार, पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 18 मई, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा दो जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों का पालघर स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन संख्या 22955/22956 बांद्रा टर्मिनस-भुज कच्छ एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 12490/12489 दादर-बीकानेर एक्सप्रेस को पालघर स्टेशन पर प्रायोगिक आधार पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जायेगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विवरण निम्नानुसार है:-1. 17 मई, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22955 बांद्रा टर्मिनस-भुज कच्छ एक्सप्रेस को पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन पालघर स्टेशन पर 19:00 बजे पहुंचेगी और 19:02 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, 17 मई, 2025 को भुज से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22956 भुज-बांद्रा टर्मिनस कच्छ एक्सप्रेस को पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन पालघर स्टेशन पर 09:34 बजे पहुंचेगी और 09:36 बजे प्रस्थान करेगी। 2. 18 मई, 2025 को दादर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12490 दादर-बीकानेर एक्सप्रेस को पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन पालघर स्टेशन पर 16:14 बजे पहुंचेगी और 16:16 बजे प्रस्थान करेगी। इसी तरह, 20 मई, 2025 को बीकानेर से यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस को पालघर स्टेशन पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है। यह ट्रेन पालघर स्टेशन पर 11:12 बजे पहुंचेगी और 11:14 बजे प्रस्थान करेगी। यात्री कृपया ट्रेनों के ठहराव और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल

शुद्धिपत्र - I

निविदा सूचना संख्या **M137_MECH_PRTN_TEND_25_06** समापन तिथि 02-06-2025 / 15:00 बजे | इस कार्यालय द्वारा जारी उपरोक्त निविदा सूचना संख्या के संदर्भ में, निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित शर्तों को निम्नानुसार संशोधित किया जाता है: -

खण्ड	विवरण	निविदा दस्तावेजों में मौजूदा शर्तें	संशोधित स्थिति
सोलर पैनल के साथ विद्युत कार्य के कार्यक्षेत्र का क्रम संख्या 8	आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग लचीला सोलर फोटो वाल्टिक (एसपीवी) मॉड्यूल	सभी सामग्री आरडीएसओ अनुमोदित स्रोतों के माध्यम से खरीदी जाएगी	सभी वस्तुओं को केवल प्रतिष्ठित/अनुमोदित स्रोतों से ही ड्राइंग के अनुसार दृढ़ता से खरीदा जाना चाहिए।
सोलर पैनल के साथ विद्युत कार्य के कार्यक्षेत्र का क्रम संख्या 11	बैटरी बैंक लिथियम फेरो बैटरी फॉस्फेट की आपूर्ति, फिक्सिंग, परीक्षण और कमीशनिंग	आरडीएसओ अनुमोदित स्रोत	सभी वस्तुओं को केवल प्रतिष्ठित/अनुमोदित स्रोतों से ही ड्राइंग के अनुसार दृढ़ता से खरीदा जाना चाहिए।

निविदा के अन्य सभी नियम और शर्तें समान रहेंगी। 040

हमे लाइक कीजिए : facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो कीजिए : twittter.com/WesternRly

मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल बिजली ईंजीनियर (कर्षण वितरण), मध्य रेल, नागपुर, निम्नलिखित कार्य के लिए अनुभवी ठेकेदारों से डिजिटली हस्ताक्षरित ऑनलाइन ओपन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **ई-निविदा सूचना क्रमांक: NGP-ELECT-TRD-2025-26-05, dated: 14.05.2025. कार्य का नाम**: मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में एडीईई / टीआरडी / नागपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सिल्वर ब्रेड जॉइंट वाले मेसर्स निक्को मेक कॉन्टैक्ट वायर का प्रतिस्थापन। **कार्य का अनुमानित मूल्य**: Rs. 1,81,09,017.75/- (रु. एक करोड़, इक्यासी लाख नौ हजार, सत्रह और पचहत्तर पैसे मात्र)। **बयाना राशि**: Rs. 2,40,600/- (रु. दो लाख चालीस हजार छह सौ मात्र)। **निविदा बंद होने की तारिख एवं समय**: 06.06.2025 @ 15:00 Hrs. **वेबसाईट**: इस ई-निविदा की अधिक जानकारीतथा ई-टेंडरींग / ऑनलाइन भाग हेतु संपूर्ण सूचना रेल्वे वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

वरिष्ठ मंडल बिजली इंजीनियर (टी.आर.डी.), मध्य रेल, नागपुर

DE/56

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

पश्चिम रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना क्रमांक बीसीटी/25-26/40 दिनांक 08.05.2025, पूर्ववर्ती निविदा सूचना के अनुसार निविदा खोलने की तिथि **03.06.2025 थी. इसे संशोधित किया गया है और इसे अब 06.06.2025** पढ़ा जाए. अन्य सभी नियम व शर्तें यथावत रहेंगी. 0166

Like us on: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे
अहमदाबाद मंडल

विविध इंजीनियरिंग कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या CPM-GS-ADI-GIMII-25-26-02 उप मुख्य अभियंता (गति शक्ति), पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **1) कार्य का नाम और उसका स्थान: ई निविदा संख्या CPM-GS-ADI-GIMII-25-26-02** प्रोफ्लेक्स प्रणाली के साथ और उसके बिना कवरिंग शेड की आपूर्ति, कवर शेड का प्रतिस्थापन, मौजूदा एमजी शेड को हटाना, पैनल रूम, ड्यूटी रूम, हार्डन फ्लोरिंग के साथ सड़क, स्क्रैप यार्ड, रेल लेवल प्लेटफॉर्म, सीटीआरबी रूम का शटर, खुली नाली, ड्रेनेज सिस्टम के साथ शॉवर परीक्षण प्रणाली, सम्प आदि और छोटे पी.डब्ल्यू. कार्य जैसे ट्रैक लिफ्टिंग, पॉइंट और क्रॉसिंग की शिफ्टिंग, पॉइंट और क्रॉसिंग का प्रावधान, ट्रैक सुदृढ़ीकरण, गिट्टी की आपूर्ति और पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के गांधीधाम यार्ड (चरण-II) में माल रखरखाव के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास के संबंध में गांधीधाम यार्ड में आवश्यकतानुसार संबंधित आकस्मिक कार्य **(2) कार्य की लागत:** ₹44,04,01,354.88 **(3) जमा की जाने वाली बयाना राशि:** ₹23,52,000 **(4) निविदा फॉर्म शुल्क:** शून्य **(5) कार्य की समाप्ति अवधि:** मानसून सहित 18 (अठारह) महीने। **(6) ई-निविदा की समाप्ति तिथि और समय:** दिनांक: 12.06.2025 समय: 15:00 बजे **(7) वेबसाइट विवरण नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता वेबसाइट: www.ireps.gov.in मुख्य परियोजना प्रबंधक / गति शक्ति का कार्यालय:** "ए" विंग, चतुर्थ तल, निर्माण भवन, डीआरएम कार्यालय के पास, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद-382345 040

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: सोला-एन-टी-2025-26-04, दिनांक:14.05.2025. भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी. आर. एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **कार्य का नाम एवं स्थान**: मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन में इंटरलॉक्ड एलसी गेट्स पर एस एंड टी उपकरणों के पुनर्वास के संबंध में सिग्नलिंग कार्य करना। **कार्य की अनुमानित लागत**: रु 2,22,29,955.58. **टेंडर फॉर्म की कीमत**: NIL. **जमा की जाने वाली धरोहर राशि**: रु 2,61,200/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि**: 12 महीने। **निविदा बंद होने का समय एंव दिनांक www.ireps.gov.in पर 10.06.2025 at 15.30 Hrs.** विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल / डाक/ ई-मेल, फैक्स, हस्तनिविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि का भुगतान (ईएमडी) केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, एस एंड टी शाखा, मध्य रेल, सोलापुर

DE/Sur-54

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या: सोला-एन-टी-2025-26-03, दिनांक:14.05.2025. भारत के राष्ट्रपति की ओर से डी. आर. एम. (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **काम का नाम**: मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल पर फेंन्सिंग कार्य क्षेत्र से सिग्नल और टेलीकॉम उपकरणों का स्थानांतरण का कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत**: रु 4,51,69,753.34. **टेंडर फॉर्म की कीमत**: NIL. **जमा की जाने वाली धरोहर राशि**: रु 3,75,900/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि**: 12 महीने। **निविदा बंद होने का समय एंव दिनांक www.ireps.gov.in पर 06.06.2025 at 15.30 Hrs.** विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुद्धिपत्र / संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल / डाक/ ई-मेल, फैक्स, हस्तनिविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र प्राप्त करें और इसे **www.ireps.gov.in** पर पंजीकृत करें। बयाना राशि का भुगतान (ईएमडी केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** देखें।

मंडल रेल प्रबंधक, एस एंड टी शाखा, मध्य रेल, सोलापुर

DE/Sur-53

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

सिग्नल स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर गरीब बच्चे ने खुद की बनाई फैब्रिकेशन कंपनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नवी मुंबई , सिग्नल और फुटपाथ पर जीवन यापन करने वाले गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ने सिग्नल स्कूल यात्रा तीनहाथ नाका ब्रिज के नीचे से शुरू होकर आज ऐरोली ब्रिज के नीचे पहुंची है। फर्क सिर्फ इतना है कि कल तक वे तीनहाथ नाका ब्रिज के नीचे शरणार्थी और बेघर लोगों की तरह रह रहे थे। आज वह ऐरोली ब्रिज के नीचे एक उद्यमी के रूप में काम कर रहे हैं।यह सब समाजसेवी भटू सावंत के विचारों और उनकी योजना से हुआ है। अंग्रेजी और आधुनिक शिक्षा संस्थान चलाने के लिए तो बहुत सारे लोग आते हैं लेकिन भटू सावंत ने मजदूरी कर और भींख मांगकर गुजारा करने वाले गरीबों एवं बेसहारा लोगों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का सराहनीय कार्य किया है। यह देश में पहला उदाहरण है जब किसी उद्यमी ने सिग्नल स्कूल में पढ़ाई करने के बाद अपनी कंपनी पंजीकृत कराई है।समर्थ भारत व्यासपीठ के संस्थापक मुकुंद गोरे ने संदेश दिया है कि हाथ काम देने वाले हाथ होने चाहिए, काम करने वाले हाथ नहीं। समर्थ भारत व्यासपीठ आज उसी रास्ते पर काम कर रही है।जीवन में विपरीत परिस्थितियों की बाधाओं को दरकिनार करते हुए सिग्नल स्कूल के बच्चे अब सुरक्षा अवरोध बना रहे हैं।एसएमसी जैसे मान्यता प्राप्त उद्योग समूह ने इन बच्चों पर बहुत भरोसा दिखाया है और एक अलग मॉडल प्रस्तावित किया है। समर्थ भारत व्यासपीठ के माध्यम से भटू सावंत से टीएमसी के सहयोग से सिग्नल और फुटपाथ पर रहने वाले गरीब बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए ठाणे के तीनहाथ नाका ब्रिज के नीचे सिग्नल स्कूल शुरू किया।जिसमें अनेक गरीब बच्चे शिक्षा प्राप्त कर सफल जीवन की यात्रा शुरू किया जिनके माता पिता कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि उनके बच्चे भी शिक्षा ग्रहण कर कभी कामयाबी हासिल करेंगे।यह सब समर्थ भारत व्यासपीठ के सिग्नल स्कूल से संभव हुआ है।ठाणे मनपा आयुक्य रहते संजीव जयसवाल ने सिग्नल स्कूल से अच्छे अंकों से परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का सत्कार करते हुए सहयोग किया था। आज ठाणे के सिग्नल स्कूल से शिक्षा ग्रहण कर कई बच्चे समाज में उदाहरण पेश कर रहे हैं।

क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे ने 20 टीमों के क्रिकेट टूनामेंट के साथ मनाया 11वां खेल दिवस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , ठाणे मनपा और क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के सदस्य क्रिकेट मैदान मिले। ठाणे मनपा का प्रतिनिधित्व करने वाली अग्निशमन विभाग, पीडब्ल्यूडी और टीडीओ की टीमों के साथ, लेनो स्पोर्ट्स पार्क, बालकुम में टॉस में अभिनेता तनुज विरवानी की मौजूदगी देखी गई। जबकि पुरस्कार वितरण समारोह में अभिनेता न्यारा एम बनर्जी और एजाज खान ने विजेताओं का उत्साहवर्धन किया। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के खेल संयोजक एहतेशाम खान ने इस बेहद सफल कार्यक्रम का समन्वय और संयोजन किया, जिसमें क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे की 17 टीमों ने भाग लिया। ठाणे बालकुम स्थित लेनो स्पोर्ट्स पार्क में आयोजित 11वां क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे स्पोर्ट्स डे 2025 एक शानदार सफलता थी।जिसने ठाणे के रियल एस्टेट डेवलपमेंट समुदाय के भीतर प्रतिस्पर्धात्मक भावना और सौहार्द को प्रदर्शित किया।ऐसा क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के अध्यक्ष सचिन मीरानी ने कहा है।20 प्रतिभागी टीमों के साथ क्रिकेट टूनामेंट की विशेषता जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। यह न केवल प्रतिभागियों की एथलेटिक क्षमता को उजागर किया, बल्कि उद्योग की एकता और स्वस्थ भावना को भी उजागर किया। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के सचिव फैयाज विरानी ने कहा कि ठाणे के रियल एस्टेट विकास में हितधारक हैं। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के खेल संयोजक एहतेशाम खान ने कहा कि इस साल टूनामेंट का मुख्य आकर्षण यह नियम था कि प्रत्येक टीम में एक महिला खिलाड़ी होनी चाहिए, जिसे अनिवार्य रूप से एक ओवर गेंदबाजी करनी होगी। उन्होंने कहा कि यह क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के अध्यक्ष सचिन मिरानी द्वारा शुरू किया गया एक नया नियम था। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे समिति के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहकर पुरस्कार वितरित किए, जिसमें एक संतुलित और सक्रिय समुदाय को बढ़ावा देने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया।यह बात क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के अध्यक्ष-निर्वाचित गौरव शर्मा ने कहा है। एक स्वस्थ उद्योग स्वस्थ व्यक्तियों को दशार्ता है जो इसका हिस्सा हैं और क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के लिए, यह खेल दिवस 2025 के दौरान रियल एस्टेट डेवलपर ब्रांडों की विभिन्न टीमों द्वारा सक्रिय भागीदारी के माध्यम से सबसे अच्छी तरह से परिलक्षित हुआ। यह क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के कोषाध्यक्ष जय वोरा ने कहा है।निमित मेहता, अध्यक्ष, क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे यूथ विंग ने कहा कि इस आयोजन में 20 टीमों के भाग लेने के साथ एक क्रिकेट टूनामेंट शामिल था।यह गुरुवार, 15 मई 2025 को लेनो स्पोर्ट्स पार्क, बालकुम, ठाणे में आयोजित किया गया था। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे के अध्यक्ष सचिन मिरानी ने यह कहते हुए समापन किया कि क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे को ठाणे में रियल एस्टेट डेवलपमेंट कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले खेल प्रेमी सदस्यों पर गर्व है। यह आयोजन एक बड़ी सफलता थी, और हम रियल एस्टेट में सभी हितधारकों के लिए एक स्वस्थ भविष्य की आशा करते हैं। क्रेडाई एमसीएचआई ठाणे खेल चैंपियनः 11वें स्पोर्ट्स डे फाइनल के विजेता झ जेवीएम स्पार्टन्स (जेवीएम ग्रुप) उपविजेता झ रेमंड रॉयल्स (रेमंड रियल्टी) मैन ऑफ द मैच (फाइनल) - यश मतलानी (जेवीएम ग्रुप) मैन ऑफ द सीरीज - सुनील बोडके (रेमंड रियल्टी) सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक - मुबीन शेख (श्री कृपा बिल्डर्स) सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज - निकिता इंगले (जेवीएम ग्रुप) सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज - राकेश देवकाटे (रेमंड रियल्टी) हैं।

फास्ट ट्रैक

सुफी मंसूरुल हसन शाह के उर्स में हजारों श्रद्धालुओं की शिरकत, मांगी अमन-ओ-सलामती की दुआएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , भांडुप के खिंडीपाड़ा इलाके में स्थित दरगाह कुतुबुल औलिया हजरत ख़्वाजा सुफी मंसूरुल हसन शाह अबुल उलाई जहांगिरी रहमतुल्लाह अलैह का 30वां सालाना उर्स इस साल भी अकीदत और श्रद्धा के साथ मनाया गया।इस उर्स में देश भर से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। उर्स के दौरान खिंडीपाड़ा की गलियां सज उठीं और रात में रोशनी से सरोबार माहौल ने रूहानियत में और इजाफा कर दिया।खानकाह महफि ल मन्सूरी में खलीफा मन्सूर मियां, हजरत सुफी अब्दुल नईम अता हसन शाह साहब की सरपरस्ती में दरूद-ओ-सलाम, कुरआन की तिलावत, ज़िक्र व अज्कार, कुल शरीफ, लंगर और महफि ल-ए-समा का आयोजन किया गया। हजरत सुफी अब्दुल नईम अता हसन शाह साहब ने इस मौके पर तसव्वुफ के जरिए इंसान और परमात्मा के रिश्ते को मजबूत करने का पैगाम दिया और कुल शरीफ के बाद देश और राज्य की अमन-ओ-सलामती के लिए दुआ की गई।इस मौके पर नईम मियां के साहबजादे हाफि ज सुलतान सलाहुद्दीन खान, नूरुद्दीन खान और मुईनुद्दीन खान भी मौजूद रहे। वहीं, सांसद संजय दिना पाटील, विधायक अशोक पाटील, पूर्व नगरसेवक सुरेश कोपरकर सहित कई राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने भी हाज़िरी लगाकर अपनी अकीदत पेश की।

उल्हासनगर में बच्चे के साथ लैंगिक अत्याचार, नराधमी गिरफ्तार।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर.उल्हासनगर में नाबालिग बच्चे को जान से मारने की धमकी देकर एक व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक शौचालय में ले जाकर लैंगिक अत्याचार और शोषण करने की घटना प्रकाश में आई है। शोषित लड़का गुरुवार 15 मई की दोपहर एक बजे शौचालय गया तो उक्त आरोपी अमित कोतपिल्ले ने इस बच्चे के साथ जबरन बलपूर्वक लैंगिक अत्याचार किया।लड़का जब खून से लथपथ अवस्था में घर पहुंचा तो उसके माता पिता हतप्रभ रह गए उन्होंने तत्काल उल्हासनगर सेंट्रल पुलिस स्टेशन पहुंचकर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उल्हासनगर मध्यवर्ती पुलिस ने उक्त नरधमी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।उक्त आरोपी एक अन्य मामले में जमानत पर बाहर था। पुलिस ने आरोपी को कल्याण कोर्ट में हाजिर किया गया।उल्हासनगर पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

दहेज में दस-हजार ईंट और दो लाख कैश की मांग

शाहजहांपुर में पति ने मारपीट पत्नी को घर से निकाला, एफआईआर दर्ज

शाहजहांपुर, दहेज के लिए पति द्वारा प्रताड़ित एक महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।थाना कांट क्षेत्र की रहने वाली सरीता देवी की शादी दो साल पहले सीतापुर के मछरेहटा क्षेत्र के जटपुरवा निवासी शिव लखन से हुई थी।शादी के कुछ समय बाद पति ने दहेज की मांग शुरू कर दी। वह दुकान के लिए दो लाख रुपये नकद, मकान के लिए दस हजार ईंट और सोने की चेन की मांग करने लगा।सरीता ने अपने पिता की आर्थिक स्थिति का हवाला देकर मना किया।इसके बाद पति ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

भांडुप शहरी सर्कल के मुख्य अभियंता का संजय पाटिल ने पदभार संभाला

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई , अक्षय ऊर्जा विभाग, मुख्यालय, वान्द्रे के मुख्य अभियंता के पद पर तैनात संजय पाटिल को भांडुप शहरी परिमंडल के मुख्य अभियंता के पद पर स्थानांतरित किया गया , उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने महावितरण में अपनी सेवा के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वर्ष 2004 में वे सीधी चयन प्रक्रिया के माध्यम से चयनित हुए और कोल्हापुर सर्कल में सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त हुए। इसके बाद उन्होंने कोल्हापुर और सांगली बोर्ड में सहायक अभियंता के रूप में काम किया। 2013 में उन्हें अतिरिक्त सचिव के पद पर पदोन्नत किया गया। उन्होंने कोल्हापुर परीक्षण विभाग, रत्नागिरी परीक्षण विभाग, पुणे रास्तापेट परीक्षण विभाग और वाशी परीक्षण विभाग में कार्यकारी अभियंता के रूप में काम किया है और प्रयोगशालाओं के एनएबीएल मान्यता में प्रमुख भूमिका निभाई है।उन्हें 2017 में मुख्यालय में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया, जहां उन्होंने भुगतान और राजस्व विभाग में काम करते हुए तीन साल तक मुख्य अभियंता के पद का कार्यभार संभाला।इसके बाद जून 2024 से फरवरी 2025 तक वाशी बोर्ड में अधीक्षक अभियंता के पद पर बेहतरीन कार्य किया है। भांडुप में कार्यभार ग्रहण करने से पहले वे विद्युत क्रय विभाग, मुख्यालय में मुख्य अभियंता के पद पर कार्यरत थे। संजय पाटिल ने महावितरण के अपने कार्यकाल के दौरान पहली बार केवीएएच बिलिंग की अवधारणा पेश की थी। बिलिंग एवं राजस्व के मुख्य अभियंता के रूप में कार्य करते हुए, उन्होंने केंद्रीकृत बिलिंग को लागू किया तथा मीटर रीडिंग के फोटो सत्यापन और बिलिंग गुणवत्ता में सुधार जैसे कार्य किए। उन्होंने पीडब्ल्यूडब्ल्यू और स्ट्रीट लाइट कनेक्शन जैसे सरकारी विभागों के बकाया की वसूली में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भांडुप मंडल के प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को अपने काम के प्रति पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए ताकि उनके मंडल के अन्य कार्यालयों को बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।मुख्य अभियंता पाटील ने कहा कि वे भांडुप सर्किट में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एक टीम के रूप में काम करेंगे और ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने तथा महावितरण के राजस्व को बढ़ाने के लिए काम करना जारी रखेंगे।

रईस हाई स्कूल में ड्रॉप आउट छात्रों के लिए विशेष कोचिंग क्लास,एसएससी रिजल्ट 88 प्रतिशत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

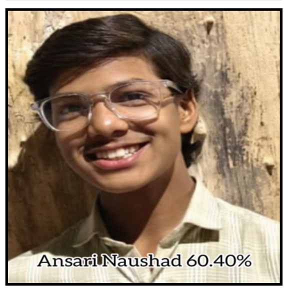

ठाणे , रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी में पिछले दो वर्षों से वी फार यू (हमआपकेलिए) नामक एक विशेष एसएससी कोचिंग क्लास चल रही है।जिसमें एसे छात्रों का मार्गदर्शन किया जाता है जो किसी भी कारणवश स्कूल छोड़ चुके हों या नौवीं कक्षा में फेल हो गए हों अथवा दसवीं कक्षा की परीक्षा में दोबारा शामिल होने वाले हों। छात्रों को दसवीं कक्षा का फॉर्म नंबर 17 (प्राइवेट फॉर्म) भरवाकर कोचिंग दी जाती है।जिसमें शिक्षक नियमित समय सारणी के साथ सभी विषयों का मार्गदर्शन करते हैं।उक्त क्लास से इस वर्ष एससी बोर्ड परीक्षा 2025 में ड्रॉपआउट छात्रों के बैच से कुल 58 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 51 छात्र सफल हुए। कुल परिणाम 88% रहा। खान मंतशा इमरान 79.60% अंकों के साथ पहले स्थान पर, अंसारी सबा मुहम्मद हुसैन 60.40% और अंसारी नौशाद अहमद रहमतुल्लाह 60.40% अंकों के साथ दूसरे स्थान पर और खान मुहम्मद इस्माइल सिराज 56.20% अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। बता दें कि वी फॉर यू मार्गदर्शन क्लास के प्रभारी आसिफ अंसारी सर और सहायक अध्यापकों के प्रयास से छात्रों ने, न केवल एसएससी बोर्ड परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, बल्कि अब वे अपनी पढ़ाई ईश्वर की कृपा से आगे भी जारी रख सकेंगे। ड्राप आउट छात्रो की विशेष कोचिंग क्लास में शामिल विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय सफलता पर केएमई सोसायटी के पदाधिकारियों व सदस्यों,रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के चेयरमैन, प्रधानाचार्य एवं समस्त स्टाफ की ओर से सफल विद्यार्थियों व उनके अध्यापकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

शिवसेना नेता विकास सोमेश्वर और राहुल सोमेश्वर ने पेयजल संकट के समाधान के लिए जन आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. विगत कई वर्षों से अंबरनाथ पश्चिम के मोहल्ला दीपक नगर सहित अन्य अनेक वार्डों के नागरिक भयंकर पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण में बार-बार शिकायत करने के बावजूद भी क्षेत्र में जलापूर्ति की व्यवस्था सुचारू रूप से कार्य नहीं कर रही है। इस जल संकट समस्या को दूर करने के लिए शिवसेना शिंदे गुट के सक्रिय युवा नेता विकास सोमेश्वर और राहुल सोमेश्वर ने चेतावनी दी है कि दीपक नगर सहित अन्य वार्डों में जल्द से जल्द जलापूर्ति की व्यवस्था को सुचारू रूप से किया जाए अन्यथा वे एक बड़े जन आंदोलन द्वारा मजीप्रा का घेराव करेंगे। शिवसेना शिंदे गुट के अंबरनाथ पश्चिम शहर पदाधिकारी राहुल सोमेश्वर और शिवसेना नेता विकास सोमेश्वर ने मजीप्रा कार्यालय जाकर अधिकारियों से उक्त समस्या के समाधान के लिए बात की और उनसे दीपक नगर में नई पेयजल पाइप लाइन बिछाकर या नियमित जलापूर्ति उपलब्ध कराने की जोरदार मांग की है। सोमेश्वर बंधुओं ने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि मजीप्रा के अधिकारी किसी टैंकर माफिया या किसी और व्यक्ति विशेष के दबाव में जलापूर्ति करते है। आप लोग सरकारी कर्मचारी है,जनता के सेवक हैं आप लोगों की आम जनता की समस्या का पता होना चाहिए और उन्हें दूर करने के लिए सक्रियता से कार्य करना चाहिए।शिवसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि वे जब भी मजीप्रा कार्यालय जाते हैं तो वहां जवाब देने के लिए अक्सर एक भी अधिकारी मौजूद नहीं होता। पूछने पर बताया जाता कि वे क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्या के समाधान के लिए घटनास्थल पर गए हैं। शिवसेना नेताओं ने सख्त और स्पष्ट लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि अगले तीन दिनों में दीपक नगर और अंबरनाथ पश्चिमी के अन्य क्षेत्रों में नियमित रूप से और समय पर जलापूर्ति व्यवस्था नहीं की गई तो वो अपने पार्टी के तमाम समर्थकों और स्थानीय नागरिकों के साथ मजीप्रा कार्यालय में फावड़ा लेकर जोरदार आंदोलन करेंगे।

एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल बने बदलापूर -अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष।

भारत संवाद न्यूज न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. बदलापुर-अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन ने अपने संगठन में अंबरनाथ के प्रसिद्ध भवन निमार्ता और अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल को शामिल करते हुए उन्हें संगठन का उपाध्यक्ष नियुक्त करते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह एसोशिएशन बदलापुर और अंबरनाथ के भवन निमार्ताओं ने आपस में मिलकर संगठित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बदलापूर-अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जाधव ने एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल को उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त कर प्रमाणपत्र प्रदान किया है। संजय जाधव ने प्रमाणपत्र सौंपते हुए आशा व्यक्त की है कि एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल संगठन के विकास और उत्थान के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।कृष्ण रसाल पाटिल के उपाध्यक्ष बनने पर अंबरनाथ के प्रसिद्ध बिल्डर और संगठन के महासचिव जी.डी. मिश्रा और उद्योजक प्रमोद कुमार चौबे ने खुशी का इजहार करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है।

इंदिरा भवन कांग्रेस कार्यालय की टैक्स पावती नपा ने एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल के नाम स्थानांतरित की।

19 मई का आमरण अनशन स्थगित, कांग्रेस कार्यकताओं में जश्न का माहौल।

कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल ने इसे सत्यमेव जयते के रूप में परिभाषित किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. विगत एक वर्ष से अंबरनाथ ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन की टैक्स पावती के नाम स्थानांतरण का विवाद अन्ततः शुक्रवार 16 मई को निपट गया। अंबरनाथ नगर पालिका परिषद ने शुक्रवार को इंदिरा भवन 1594/4 की टैक्स पावती अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल के नाम स्थानांतरित कर दी है। उक्त जानकारी अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी रोहित कुमार प्रजापति द्वारा भारत संवाद प्रतिनिधि को प्रदान की गई है उन्होंने आगे बताया कि 19 मई के कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल के आमरण उपोषण को भी स्थगित कर दिया गया है। एडवोकेट कृष्णा रसाल पाटिल ने इंदिरा भवन की टैक्स पावती को उनके नाम किए जाने पर नपा मुख्याधिकारी सहित संपूर्ण प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है। इतने लंबे संघर्ष के बाद मिली इस स्वर्णिम सफलता को उन्होंने सत्यमेव जयते के रूप में लिया है। इस सफलता से सभी कांग्रेसी कार्यकताओं में जश्न का माहौल है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सचिव अनीता प्रजापति, अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के जनरल सेक्रेटरी रोहित कुमार प्रजापति, राजेंद्र मिश्रा, सायरा सैय्यद, सुबधा काले, संघजा मेश्राम, विजयन नायर, नंदू देवड़े आदि नेताओं और कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन पर ब्लॉक के कारण

पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें होंगी प्रभावित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई, पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर स्टेशन के पुराने पिट संख्या 1 को ब्लॉक करने और पुराने पिट संख्या 2 को स्थायी रूप से हटाने के कार्य के कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रभावित ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

निरस्त/आंशिक रूप से निरस्त होने वाली ट्रेनेंः

1. ट्रेन संख्या 05054 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर साप्ताहिक स्पेशल 24 मई से 29 नवंबर, 2025 तक निरस्त रहेगी।
2. ट्रेन संख्या 05053 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल 23 मई से 28 नवंबर, 2025 तक निरस्त रहेगी।
3. ट्रेन संख्या 22921 बांद्रा टर्मिनस-गोरखपुर अंत्योदय एक्सप्रेस 18 मई से 30 नवंबर, 2025 तक बलरामपुर से गोरखपुर के बीच निरस्त रहेगी।
4. ट्रेन संख्या 22922 गोरखपुर-बांद्रा टर्मिनस अंत्योदय एक्सप्रेस 20 मई से 2 दिसंबर, 2025 तक गोरखपुर से बलरामपुर के बीच निरस्त रहेगी।

ट्रैफिक पुलिस को मिली गर्मी से राहतः 50 एसी हेलमेट वितरित

8 घंटे तक चलेगी बैटरी, एसपी बोले-धूप का नही होगा असर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, ट्रैफिक पुलिस को गर्मी से राहत देने के लिए एसी हेलमेट दिए गए हैं। मुख्यालय से भेजे गए 50 हेलमेट एसपी राजेश द्विवेदी ने पुलिसकर्मियों को वितरित किए। इन हेलमेट में नई तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। हेलमेट के अंदर पंखा लगा है, जिसकी बैटरी बेल्ट में लगाई जाती है।एक बार चार्ज करने पर बैटरी 8 घंटे तक चलती है। इससे पुलिसकर्मियों को गर्मी का एहसास नहीं होगा। एसपी राजेश द्विवेदी ने खुद हेलमेट पहनकर इसकी क्वालिटी की जांच की। उन्होंने कहा कि गर्मी की वजह से कभी-कभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी स्थल से हटना पड़ता था। अब एसी हेलमेट की मदद से वे पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी कर सकेंगे।उत्तर प्रदेश पुलिस ने कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और पुलिसकर्मियों को गर्मी से बचाने के लिए यह कदम उठाया है। ट्रैफिक पुलिस को खुले में ड्यूटी करनी पड़ती है, ऐसे में यह हेलमेट उनके लिए काफी मददगार साबित होंगे।

सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर , जलालाबाद में मोहल्ला रामनगर के निवासियों ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे का मामला एसडीएम के सामने रखा है। तहसील मुख्यालय पहुंचे स्थानीय निवासियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि देवेश गुप्ता नाम का व्यक्ति नगर पालिका की जमीन पर अवैध मकान का निर्माण कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह निर्माण कार्य नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और वार्ड मेंबर की सहमति से हो रहा है। इस दौरान सरकारी इंटरलॉकिंग रोड को भी तोड़ा जा रहा है। गौरव वर्मा, रामप्रकाश वर्मा, वीरेश प्रधान, मुकेश, उपेंद्र गुप्ता और दुर्गेश कुमार समेत कई मोहल्लेवासियों ने बताया कि देवेश गुप्ता और उनके साथी जबरन कब्जा करके मकान बना रहे हैं। उनका कहना है कि इस निर्माण से 30 वर्षों से रह रहे लोगों का रास्ता बंद हो जाएगा। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम दुर्गेश यादव ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी और तहसीलदार को मौके की जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अवैध निर्माण कार्य की जांच कर कार्रवाई करने को कहा है।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

जयशंकर ने पहली बार तालिबान सरकार से बात की

शुक्रिया कहा, अफगानिस्तान ने भारतीय रॉकेट हमले का पाकिस्तानी दावा खारिज किया था

एजेंसी

नई दिल्ली, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बातचीत की। जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी को शुक्रिया कहा। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया था, जिनमें कहा गया था कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान को टारगेट किया। जयशंकर ने इस बात के लिए भी अफगान सरकार का शुक्रिया किया। यह भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच मंत्री स्तर की पहली बातचीत थी। जयशंकर ने कहा कि भारत और अफगान लोगों के बीच जो पुराना दोस्ताना रिश्ता है, उसे दोहराया गया और भविष्य में इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर बातचीत हुई। तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद भारत और

तालिबान सरकार के बीच बातचीत की शुरूआत जनवरी में हुई थी। जनवरी में विक्रम मिसरी और मुत्ताकी के बीच दुबई में बैठक हुई थी। तब अफगान विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान के लोगों से जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की थी। इसके बाद विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने 28 अप्रैल को मुत्ताकी से मुलाकात की थी। उस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। अब एस जयशंकर और मुत्ताकी की फोन पर बातचीत हुई है।

भारत से तालिबान सरकार को मान्यता नहीं, 20 साल में 25 हजार करोड़ दिए

भारत ने अब तक तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है, लेकिन भारत ने पिछले 20 सालों में अफगानिस्तान को 20 हजार करोड़ रुपये की मदद कर चुका है। पिछले साल नवंबर में तालिबान ने मुंबई स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास में अपना डिप्लोमैट अपॉइंट किया था।

तालिबान सरकार की भारत से वीजा देने की डिमांड

- इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान के विदेश मंत्री ने भारत से अफगान व्यापारियों और मरीजों के लिए भारतीय वीजा की सुविधा की मांग की।
- इसके अलावा भारत में अफगान कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी का भी अपील की। जयशंकर ने इन मुद्दों को तुरंत हल करने की बात कही।
- भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान की एंट्री के बाद 25 अगस्त 2021 को तत्काल प्रभाव से वीजा देना बंद कर दिया था। तालिबान के सत्ता में आने के बाद वहां की सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर यह फैसला लिया गया था।

बीएलए ने 14 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने की जिम्मेदारी ली

कहा- हमले जारी रखेंगे, पाकिस्तानी सेना किसी कोने में सुरक्षित नहीं

एजेंसी

इस्लामाबाद, बलूच लिबरेशन आर्मी (बी.एल.ए) ने 14 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने की जिम्मेदारी ली है। यह हमला 9 मई को बलूचिस्तान के पंजगुर जिले में पाक सेना की गाड़ी पर हुआ था। बी.एल.ए ने 14 मई को सेना का काफिले पर हमले का एक वीडियो भी जारी किया। बलूच आर्मी ने पाक सेना के खिलाफ अपने हमलों को ऑपरेशन हेरोफ नाम दिया है। बी.एल.ए ने ऑपरेशन हेरोफ के तहत पिछले कुछ हफ्तों में बलूचिस्तान प्रांत में 58 से अधिक जगहों पर 78 कॉर्डिनेटेड हमलों की जिम्मेदारी ली है। 11 मई को बी.एल.ए की तरफ से

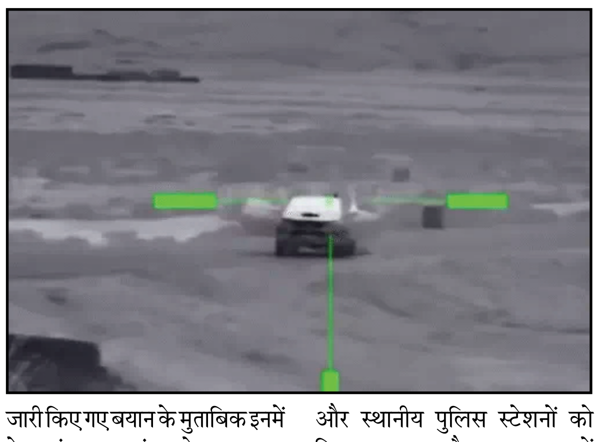

जारी किए गए बयान के मुताबिक इनमें केच, पंजगुर, मस्तुंग, क्वेटा, जमुरान, तोलांगी, कुलुकी और नुशकी इलाके शामिल हैं। यहां बी.एल.ए ने पाकिस्तानी सेना, खुफिया ठिकानों और स्थानीय पुलिस स्टेशनों को निशाना बनाया है। इस बयान में बी.एल.ए ने पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवादियों का गढ़ बताया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उसे आतंकवादी देश घोषित करने की मांग की। बी.एल.ए ने कहा कि वे भविष्य में भी पाकिस्तानी सेना और उनके सहयोगियों पर ऐसे हमले जारी रखेंगे। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आजादी का ऐलान किया। उन्होंने इसके पीछे दशकों से बलूच लोगों के मानवाधिकार हनन, किडनैपिंग और हिंसा का हवाला दिया। मीर यार बलूच ने एक्स पोस्ट में कहा- बलूचिस्तान के लोगों ने अपना ₹राष्ट्रीय फैसला₹ दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। आओ हमारा साथ दो। उन्होंने लिखा कि बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान का हिस्सा नहीं है और दुनिया अब और मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारत और ग्लोबल समुदाय से बलूचिस्तान की आजादी के लिए मान्यता और समर्थन मांगा। मीर यार ने भारतीय मीडिया, यूट्यूबर्स और भारतीय बुद्धिजीवियों से अपील की कि वो बलूचों को पाकिस्तान के लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं, बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्हें कभी हवाई बमबारी, किडनैपिंग या नरसंहार का सामना नहीं करना पड़ा। उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का समर्थन किया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस इलाके को खाली करने के लिए दबाव डालने की अपील की। मीर यार ने कहा- भारत पाकिस्तानी सेना को हरा सकता है।

हॉन्गकॉन्ग में कोरोना के 31 मामले सामने आए

सिंगापुर अलर्ट पर, कोविड केस में 28% इजाफा; चीन-थाईलैंड में भी बढ़ सकते है मामले

एजेंसी

हांगकांग, हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में फिर से कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं। हॉन्गकॉन्ग में 3 मई तक कोरोना संक्रमण के 31 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें कई मौतें भी शामिल हैं। हॉन्गकॉन्ग ने भी यह नहीं बताया कि पहला केस कब आया था। सिर्फ जानकारी दी है। इससे पहले सिंगापुर ने भी कोविड अलर्ट जारी करते हुए इस साल कोरोना के मामलों पर अपना पहला अपडेट जारी किया है। सिंगापुर में अप्रैल के आखिरी हफ्ते कोरोना के केसों की संख्या 11,110 थी, जो मई के पहले हफ्ते बढ़कर 14,200 हो गई है। यहां मामलों में 28% का इजाफा हुआ है। वहीं, रोजाना आधार पर अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30% तक बढ़ गई है। स्वास्थ अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि महामारी एक बार फिर से विकराल रूप ले सकती है और इसका असर एशिया के बाकी हिस्सों में भी देखने को मिल सकता है। हॉन्गकॉन्ग में संक्रामक बीमारियों के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ के मुताबिक,, कोरोना वायरस के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने का चांस इस साल के हाई पर पहुंच गया है। चीन और थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर हैं। चीन में बीमारियों

की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज हो सकती है। वहीं, थाइलैंड में दो अलग-अलग इलाकों मे तेजी से कोविड केस बढ़ने का मामले आए हैं। थाइलैंड में क्लस्टर आउटब्रेक के ऐसे दो मामले सामने आ चुके हैं। भारत में कोरोना का पहला मामला जनवरी 2020 में सामने आया था। मार्च 2020 में देशव्यापी लॉकडाउन लागू किया गया। भारत में कोरोना की पहली लहर जनवरी 2020 से फरवरी 2021 तक रही। इस दौरान लगभग 1.08 करोड़ कोरोना के मामले सामने आए। एक दिन में सबसे ज्यादा 98 हजार माले 17 सितंबर 2020 को देखने मिले। इस लहर में 1.55 लाख मौतें हुई। औसतन रोजाना 412 मौतें दर्ज की गईं। कोरोना की दूसरी लहर मार्च 2021 से मई 2021 तक रही। इस दौरान कोरोना के डेल्टा वेरिएंट के चलते अप्रैल-मई 2021 में सबसे ज्यादा मामले और मौतें दर्ज की गईं। दूसरी लहर सबसे घातक थी, जिसमें अस्पतालों और ऑक्सीजन की भारी कमी देखी गई। डेल्टा वेरिएंट ने तेजी से संक्रमण फैलाया, और स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ा। इस लहर में 1.69 लाख मौतें हुईं। औसतन प्रतिदिन 2,769 मौतें दर्ज की गईं। कोरोना की तीसरी दिसंबर 2021 से फरवरी 2022 रही। ओमिक्रॉन वेरिएंट के चलते जनवरी 2022 में कोरोना का मामले तेजी से बढ़े। ओमिक्रॉन वेरिएंट के कारण तीसरी लहर में मामले तो बहुत बढ़े, लेकिन यह दूसरी लहर की तुलना में कम घातक थी। मृत्यु दर केवल 0.2% थी।

पीएम शहबाज बोले- हमने 1971 की जंग का बदला लिया

कहा- शांति के लिए बातचीत को तैयार, कश्मीर मुद्दा शामिल करना होगा

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने गुरुवार को सैनिकों से बात करते हुए कहा कि, इस जंग में हमने 1971 की जंग का बदला ले लिया है। शहबाज ने गुरुवार को पंजाब में कामरा एयरबेस पर पाकिस्तानी सैनिकों को संबोधित करते समय यह बात कही। इस दौरान उनके साथ डिप्टी पीएम इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, सेना प्रमुख असीम मुनीर, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू भी थे। इसके अलावा उन्होंने भारत के साथ

बातचीत की इच्छा जताई है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक उन्होंने कहा कि पाकिस्तान, भारत के साथ शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है, लेकिन इसमें कश्मीर मुद्दे को शामिल करना होगा। वहीं, पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार ने गुरुवार को दावा किया कि पाकिस्तान ने सीजफायर की कोई मांग नहीं की थी। उन्होंने दावा किया कि भारत ने पहले हमला रोका था। भारत-पाक ने 3 बार सीजफायर बढ़ाया इशाक डार ने संसद में दावा किया कि पाकिस्तान और भारत के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने सीजफायर पर चर्चा के लिए हॉटलाइन पर बात की। द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि दोनों देशों के डीजीएमओ के बीच अब 18 मई को बातचीत होगी। डार ने संसद में कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच 4 दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद सैन्य संघर्ष रोकने के लिए 10 मई को सहमति बनी थी। इसे 12 मई तक बढ़ाया गया और फिर 14 मई और फिर 18 मई तक किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच राजनीतिक वार्ता होगी और सभी समस्याओं का हल निकालने पर बात की जाएगी। उन्होंने कहा- हमने पूरी दुनिया को साफ कर दिया है कि हम हर मुद्दे पर खुलकर और पूरी बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक, डिप्टी पीएम डार ने दावा किया हाल ही में भारत के साथ हुए तनाव के दौरान पाकिस्तान ने सीजफायर की कोई मांग नहीं की थी।

वक्फ कानून: सुप्रीम कोर्ट ने नई याचिकाओं पर सुनवाई से किया इनकार

कहा- हर कोई अखबारों में अपना नाम देखना चाहता है

एजेंसी

शुक्रवार को सुनवाई के लिए आने पर, केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं अनंत काल तक दायर नहीं की जा सकतीं।

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली दो नई याचिकाओं की पड़ताल करने से मना करते हुए शुक्रवार को कहा हर कोई अखबारों में अपना नाम देखना चाहता है। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वह 20 मई को सुनवाई के लिए आने वाले लंबित विषय पर फैसला करेगी। इसके बाद, शीर्ष अदालत मामले में अंतरिम राहत के विषय पर सुनवाई करेगी।इनमें से एक याचिका शुक्रवार को सुनवाई के लिए आने पर, केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं अनंत काल तक दायर नहीं की जा सकतीं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि उन्होंने आठ अप्रैल को याचिका दायर की थी और 15 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री द्वारा बताई गई खामियों को दूर कर दिया था, लेकिन उनकी याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध नहीं किया गया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हर कोई चाहता है कि उसका नाम अखबारों में आए।वकील ने जब पीठ से आग्रह किया कि उनकी याचिका को लंबित याचिकाओं के साथ संलग्न कर दिया जाए, तो पीठ ने कहा, हम इस विषय पर फैसला करेंगे।इसके बाद, पीठ ने इसे खारिज कर दिया। जब इसी तरह की एक अन्य याचिका सुनवाई के लिए आई, तो पीठ ने कहा, खारिज की जाती है।याचिकाकर्ता के वकील ने जब आग्रह किया कि उन्हें लंबित याचिकाओं में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी जाए, तो प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमारे पास पहले से ही बहुत सारे हस्तक्षेपकर्ता हैं।न्यायालय ने 17 अप्रैल को कुल याचिकाओं में से केवल पांच की सुनवाई करने का निर्णय लिया था। अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं 15 मई को प्रधान न्यायाधीश और न्यायमूर्ति मसीह की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई थीं। पीठ ने कहा कि वह 20 मई को तीन मुद्दों पर अंतरिम निर्देश पारित करने के लिए दलीलें सुनेगी, जिनमें अदालतों द्वारा वक्फ घोषित संपत्तियों को गैर अधिसूचित करना भी शामिल है।

'देश, डर से नहीं...सच्चाई और संविधान से चलेगा'

ईडी रेड के बाद न्यूज पेपर मालिक की गिरफ्तारी पर बोले, राहुल गांधी

राहुल गांधी ने बाहुबली शाह के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की आवाज को दबाने की साजिश है.

एजेंसी

नई दिल्लीः कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को गुजरात समाचार के सह-संस्थापक बाहुबली शाह की हिरासत में लेने की निंदा की है. उन्होंने लोकतंत्र की आवाज को दबाने की साजिश बताया. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, देश न तो लाठी से चलेगा, न ही डर से- भारत सच्चाई और संविधान से चलेगा.राहुल गांधी ने कहा कि शाह

की हिरासत से पता चलता है कि डर की राजनीति मोदी सरकार की पहचान बन गई है. गांधी ने कहा, गुजरात समाचार को चुप कराने की कोशिश सिर्फ एक अखबार की नहीं बल्कि पूरे लोकतंत्र की आवाज को दबाने की एक और साजिश है. जब सत्ता को जवाबदेह ठहराने वाले अखबार बंद हो जाएं तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र खतरे में है.आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को प्रमुख दैनिक पर आयकर (आईटी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापों के बाद बाहुबली शाह को हिरासत में लिए जाने की निंदा की. उन्होंने कहा कि यह महज संयोग नहीं है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी सवाल उठाने वाली हर आवाज को खामोश करना चाहती है. उन्होंने कहा कि गुजरात जल्द ही इस तानाशाही का जवाब देगा. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, पिछले 48 घंटों में गुजरात समाचार और जीएसटीवी पर आयकर और ईडी के छापे और उसके बाद उनके मालिक बाहुबली भाई शाह की गिरफ्तारी- यह सब महज संयोग नहीं है. यह भाजपा की हताशा का प्रतीक है, जो सच बोलने और सवाल पूछने वाली हर आवाज को चुप कराना चाहती है. देश और गुजरात की जनता इस तानाशाही का बहुत जल्द जवाब देगी.

'ऑपरेशन सिंदूर का सियासी फायदा उठाना चाहते हैं पीएम मोदी'

कांग्रेस नेता जयराम रमेश का केंद्र पर निशाना

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और बीजेपी लगातार कांग्रेस के बदनाम कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 'ऑपरेशन सिंदूर का सियासी फायदा उठाना चाहते हैं पीएम मोदी', कांग्रेस नेता जयराम रमेश का केंद्र पर निशाना

एजेंसी

'ऑपरेशन सिंदूर का सियासी फायदा उठाना चाहते हैं पीएम मोदी', कांग्रेस नेता जयराम रमेश का केंद्र पर निशाना कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 25 मई को केवल एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई है, ताकि ऑपरेशन सिंदूर से राजनीतिक लाभ उठाया जा सके.पाकिस्तान की सरकार भारत के खिलाफ फेक न्यूज फैलाने में जुटी हुई है. इसे लेकर केंद्र सरकार ने प्लान बनाया है कि भारत के अलग-अलग दलों के नेता विदेशों में जाकर भारत का पक्ष रखेंगे. इस पर जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनेगी. कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि पीएम मोदी और बीजेपी लगातार कांग्रेस के बदनाम कर रहे हैं, जबकि कांग्रेस ने पाकिस्तान के खिलाफ भारती की सैन्य कार्रवाई के दौरान सभी दलों के बीच एकता और का आान किया था.

बार-बार सेना का अपमान किया जाना शर्मनाक : प्रियंका गांधी

बीजेपी नेताओं के बयान पर बोलीं प्रियंका गांधी

उपमुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा था कि हमने देखा है कि पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उनके धर्म की पहचान की गई, महिलाओं को अलग ले जाया गया और पुरुषों को उनके परिवार के सदस्यों, उनके बच्चों के सामने गोली मार दी गई। तब से, इस देश के लोग तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों से बदला नहीं ले लेते।

एजेंसी

विजय शाह के बाद मध्य प्रदेश के एक और नेता ने देश की सशस्त्र सेनाओं से जुड़ी एक विवादित टिप्पणी की है। इस बार मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सिविल डिफेंस की ट्रेनिंग लेने आए स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। देवड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में भारत के हमलों का जिक्र करते हुए उपस्थित लोगों से कहा कि सेना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चरणों में नतमस्तक है। इसके बाद अब विपक्ष भाजपा पर पूरी तरह से हमलावर हो

गया है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्वीट कर अपनी नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के नेताओं की ओर से लगातार हमारी सेना का अपमान अत्यंत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने महिला सैनिकों पर अभद्र टिप्पणी की और अब उनके उपमुख्यमंत्री ने सेना का घोर अपमान किया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश की जनता सेना के शौर्य पर गौरवान्वित है लेकिन भाजपा के लोग सेना को अपमानित कर रहे हैं और भाजपा अपने इन नेताओं पर कार्रवाई करने की जगह उन्हें बचाने में पूरा जोर लगा रही है। भाजपा ऐसा करके हमारी सेना और देशवासियों को क्या संदेश देना चाहती है? उपमुख्यमंत्री ने अपने बयान में कहा था कि हमने देखा है कि पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाया गया, उनके धर्म की पहचान की गई, महिलाओं को अलग ले जाया गया और पुरुषों को उनके परिवार के सदस्यों, उनके बच्चों के सामने गोली मार दी गई। तब से, इस देश के लोग तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों से बदला नहीं ले लेते। देवड़ा ने कहा, ₹आज पूरा देश, सेना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के चरणों में नतमस्तक है, उन्होंने जो सख्त कार्रवाई की, जो जवाब दिया, उसके लिए। कृपया उनका हाथ थामकर अभिवादन करें।

संक्षेप

सेना के समर्थन में भाजपा की तिरंगा यात्रा

सुल्तानपुर में दीनदयाल पार्क से निकाली शौर्य यात्रा

सुलतानपुर, भारतीय जनता पार्टी ने सेना के समर्थन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क से 'शौर्य तिरंगा यात्रा' निकाली गई। यात्रा का समापन डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में हुआ। जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सेना को कार्रवाई की पूरी स्वतंत्रता दी है। उन्होंने कहा कि सेना ने आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की है। त्रिपाठी ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा जवानों के शौर्य को सम्मान देने के लिए निकाली गई है। कार्यक्रम में मीना चौबे ने कहा कि पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निहत्थे पर्यटकों की हत्या के बाद भारतीय सेना ने कड़ी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि सैनिकों के उत्साह को सलाम करने के लिए यह तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। चौबे ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत मजबूती से अपनी बात रखता है और किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर

राशन लेने जा रहे युवक की मौत, चालक हिरासत में

बांदा, बिसंडा थाना क्षेत्र में एक दुखद सड़क हादसा हुआ। चौसड़ गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राम पाल कुशवाहा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक को जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, राम पाल कुशवाहा राशन लेने जा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। पुलिस ने ट्रक और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना की खबर सुनते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर मंत्री की टिप्पणी का विरोध

कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग

बांदा, मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। नगर कांग्रेस कमेटी ने गांधी चौक पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने भाजपा सरकार पर सेना का सम्मान न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कर्नल कुरैशी भारत की बेटी हैं और देश का सम्मान हैं। दीक्षित ने मंत्री को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की।

टीचर ने थप्पड़ मारा, छात्र की मौत

भाई बोला- जमीन पर गिरा, 10 मिनट तड़पा, पानी मांगते-मांगते जान निकल गई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, टीचर के थप्पड़ मारने से नर्सरी के साढ़े 3 साल के बच्चे की मौत हो गई। उसी स्कूल में सेकेंड क्लास में पढ़ने वाले छात्र के भाई ने बताया- मेरा भाई रो रहा था। दो टीचर उसे मेरे क्लास में लेकर आईं और बेंच पर बैठा दिया। भाई ने रोना बंद नहीं किया तो एक टीचर ने उसके गाल पर थप्पड़ जड़ दिया। इससे भाई का सिर बेंच से टकरा गया। वह जमीन पर गिर गया। उसके मुंह और नाक से खून निकलने लगा। भाई ने टीचर से पानी मांगा, लेकिन किसी ने पानी नहीं दिया। करीब 10 मिनट तक वह पानी मांगता रहा, फिर एकदम से शांत हो गया। एक टीचर ने भाई को हिलाया-डुलाया। जब वह कुछ नहीं बोला, तो टीचर भागकर बाहर गईं। मेरे घरवालों को फोन कर बुलाया। तुरंत मम्मी-पापा स्कूल पहुंचे और भाई को अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पिता की शिकायत पर 2 महिला टीचर पर केस दर्ज किया गया है। घटना नैनी कोतवाली क्षेत्र की है। नैनी थाना क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी में रहने वाले किराना दुकानदार वीरेंद्र ने बताया कि मेरा साढ़े तीन साल का बेटा शिवाय नर्सरी में पढ़ता था। इसी स्कूल में उसकी बड़ी बहन पूर्वी कक्षा तीन और बड़ा भाई सुमित कक्षा दो में पढ़ते हैं। मां पूनम ने बताया- मैं शिवाय को स्कूल छोड़कर आई थी। करीब 9 बजे स्कूल से मेरे पति वीरेंद्र के पास एक मैडम का फोन आया। उन्होंने कहा- आपका बच्चा बेहोश हो गया है। यह सुनते ही मैं और मेरे पति भागकर स्कूल पहुंचे। वहां देखा कि बेटे के मुंह से खून आ रहा था। सिर के बाएं ओर चोट के निशान थे। हम लोग उसे चाका सीएचसी लेकर पहुंचे, लेकिन स्थिति गंभीर होने पर वहां से एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया। हम लोग शिवाय को लेकर भागे, मगर रास्ते में ही उसकी जान निकल गई। बेटे की मौत होने से माता-पिता ट्रॉमा सेंटर में चीख-चीखकर रोने लगे। मौके पर मौजूद परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर कार्रवाई को लेकर हंगामा किया। पुलिस ने माता-पिता को समझाकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया दिया। पिता वीरेंद्र की तहरीर पर दो टीचर आरती और शिवांगी के खिलाफ एग्रीकल्चर चौकी में तहरीर दी गई। इसके बाद दोनों महिला टीचर पर केस दर्ज किया गया। मां पूनम ने बताया कि बेटे को जब छोड़ने जाती थी तो वह रोने लगता था। मैं उसके साथ एक-दो घंटे स्कूल में रुकती थी। जब मैं नहीं होती थी तो टीचर शिवाय को बडे.भाई सुमित के पास क्लास में भेज देते थे। गुरुवार को शिवाय रो रहा था।

सेना को समर्पित जल तिरंगा यात्रा

संगम में राष्ट्रीय-राज्य स्तरीय तैराकों ने तिरंगा लहराया, देशभक्ति का अनूठा प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, तिरंगा यात्रा का एक अनोखा आयोजन देखने को मिला। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में जल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।

इस विशेष यात्रा में सैकड़ों राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय तैराक शामिल हुए। तैराकों ने जल में तिरंगा थामे हुए भारत माता की जय और सेना के जयकारे लगाए।

पुरुष तैराकों के साथ महिला तैराक भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। यह आयोजन भारतीय सेना के शौर्य, बलिदान और समर्पण को समर्पित था। महिला तैराकों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' से प्रेरणा लेकर इस साहसी यात्रा में हिस्सा लिया।

उन्होंने कहा कि जैसे जमीन और आकाश में तिरंगा यात्रा निकाली जाती है, वैसे ही जल में भी यह अनूठी पहल की गई। सभी तैराकों ने स्वीकार किया कि पानी में तिरंगा यात्रा निकालना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन देशभक्ति की भावना ने उन्हें प्रेरित किया। बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक ने जोश और गर्व से तिरंगा लहराया। प्रयागराज की इस जल तिरंगा यात्रा ने साबित किया कि देशभक्ति का प्रदर्शन किसी भी माध्यम से किया जा सकता है। यह यात्रा राष्ट्र के प्रति समर्पण का एक अनूठा उदाहरण बन गई।

सांसद किशोरी लाल की जनसुनवाई

- सैकड़ों लोगों ने रखीं बिजली, पानी, सड़क समेत कई समस्याएं

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने अपने 25वें क्षेत्र भ्रमण के दौरान केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय गौरीगंज में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में सैकड़ों स्थानीय नागरिक, प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत सदस्य शामिल हुए।

लोगों ने बिजली, पानी, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। नहरों में पानी, खाद, आवास, पेंशन, राशन, पुलिस, जिला प्रशासन, राजस्व और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की शिकायतें भी की गईं। सांसद ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कार्यालय प्रभारी बृजेश तिवारी को कई समस्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और हल करना उनकी पहली जिम्मेदारी है। शर्मा ने बताया कि वे अमेठी के हर नागरिक की आवाज को संसद और दिशा बैठक में उठाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल, सुल्तानपुर जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राना समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

श्री चित्रगुप्त धाम मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान

जलाधिवास और अन्नाधिवास के बाद पुष्पाधिवास संपन्न, 20 मई को समापन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, श्री चित्रगुप्त धाम मंदिर, सीताकुंड में देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा के लिए धार्मिक अनुष्ठान चल रहे हैं। पंडित रोहित तिवारी की देखरेख में दो अन्य पुजारियों द्वारा ये अनुष्ठान कराए जा रहे हैं। अन्नाधिवास के दिन पांच विशिष्ट यजमान शामिल हुए। इनमें अधिवक्ता संदीप कुमार, प्रदीप श्रीवास्तव, डॉ मनीष प्रशांत सरन और सुरेंद्र श्रीवास्तव थे। कार्यक्रम के दूसरे दिन विजय लक्ष्मी और पवन श्रीवास्तव मुख्य यजमान रहे। मंदिर में स्थापित होने वाली प्रतिमाओं में एकादश मुखी हनुमान, श्री राम दरबार, श्री दुर्गा, शिव परिवार, बारह ज्योतिर्लिंग, शिवलिंग और नंदी महराज शामिल हैं। सभी प्रतिमाओं का जलाभिषेक, पूजन और आरती की गई। इसके बाद भक्तों में प्रसाद का वितरण किया गया। 14 मई से शुरू हुए अधिवास के धार्मिक अनुष्ठान 17 मई तक चलेंगे। 18 मई को शहर के विभिन्न मार्गों से शोभायात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम का समापन 20 मई को भंडारे के आयोजन के साथ होगा।

सीमेंट फैक्टरी कर्मी की ट्रेन से कटकर मौत

टिकरिया रेलवे क्रॉसिंग पर मिला अधेड़ का शव, 3 बच्चे हुए अनाथ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, गौरीगंज में उदयराज का पुरवा भनियापुर गांव के रहने वाले 34 वर्षीय देवराज की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हो गई। घटना बृहस्पतिवार सुबह टिकरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। देवराज एक सीमेंट फैक्टरी में मजदूर के रूप में काम करते थे।

वह एक निमंत्रण में शामिल होने की बात कहकर घर से निकले थे। जब वह रात तक घर नहीं लौटे तो परिजन चिंतित हो गए। बृहस्पतिवार को तलाश के दौरान टिकरिया स्थित एक गुमटी के पास उनकी बाइक मिली। कुछ देर बाद रेलवे ट्रैक पर एक शव मिलने की सूचना मिली। थाने में शव की पहचान देवराज के रूप में हुई। इंस्पेक्टर श्याम नारायण पांडेय के अनुसार परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तहरीर मिलने पर मामले की जांच की जाएगी। देवराज के परिवार में पत्नी राजकुमारी (34) और तीन बेटे - अनुज (15), अनूप (13) और अगम (7) हैं। उनके माता-पिता इंद्रकली और राम सुमेर यादव भी हैं। घटना से पूरा परिवार शोक में डूबा हुआ है।

युवती ने बाग में लगाई फांसी

शादी की तारीख तय करने आए लड़के वालों के सामने घर से निकली थी, बाग में लटका मिला शव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जामो थाना क्षेत्र के दुलापुर गांव में एक दुखद घटना सामने आई। यहां 22 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना उस समय हुई जब लड़के वाले शादी की तारीख तय करने उसके घर आए थे। बीए पास युवती गुंजन की शादी वारिशगंज टांडा गांव निवासी सत्यनारायण के बेटे राजकुमार से तय हुई थी।

दोनों परिवार शादी की तारीख तय करने में व्यस्त थे। इसी दौरान गुंजन ने टमाटर लेने जाने का बहाना बनाया और मोबाइल पर बात करते हुए घर से निकल गई। कुछ देर बाद जब गुंजन की छोटी बहन शौच के लिए बाग की तरफ गई, तो उसने बहन का शव पेड़ से लटका देखा। चिल्लाते हुए वह घर पहुंची और परिजनों को सूचना दी। परिजन भी उसी समय गुंजन की तलाश कर रहे थे। जामो थाना इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंच गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। परिजनों से बातचीत की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़

दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, 7 गिरफ्तार; ज्वैलरी शॉप पर था निशाना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, मोहनगंज थाना क्षेत्र के फूला मार्ग स्थित एक आम के बाग में पुलिस और डकैतों के बीच मुठभेड़ हुई। मुखबिर की सूचना पर स्वाट टीम और मोहनगंज पुलिस ने कार्रवाई की। डकैतों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। इसमें दो बदमाश सुनील कुमार दीक्षित और अल्ताफ उर्फ धर्मेंद्र के पैर में गोली लगी। पुलिस ने मौके से भाग रहे पांच अन्य बदमाशों को भी पकड़ लिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से 20 हजार रुपए नकद, एक पिस्तौल, एक तमंचा, चार जिंदा कारतूस और दो मोटरसाइकिल बरामद की। डकैती में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले। घायल बदमाशों में से सुनील पर अमेठी समेत कई जिलों में 22 मुकदमे दर्ज हैं। अल्ताफ उर्फ धर्मेंद्र पर 17 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार मुठभेड़ रात करीब 2 बजे हुई। मीडिया को प्रेस नोट दोपहर एक बजे जारी किया गया। इस घटना से एक दिन पहले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अमेठी दौरे के दौरान पिछले एनकाउंटर पर सवाल उठाए थे। कुछ दिन पहले इसी चप्पल को लेकर काफी राजनीति भी हुई थी।

मुठभेड़ को लेकर सीओ अजय कुमार सिंह ने कहा कि रात करीब ढाई बजे पुलिस को सूचना मिली कि फूला जाने वाले मार्ग पर स्थित बाग में 6 से 7 बदमाश मौजूद है जो कि ज्वेलरी की दुकान में डकैती डालने की योजना बना रहे है ।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची जिसके बाद मुठभेड़ हो गई ।दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है कुल सात बदमाश गिरफ्तार किए गए है ।इनके पास से पिस्टल, तमंचा, नगद रुपए और मोटरसाइकिल बरामद हुआ है।

पट्टीदारों ने तोड़ा महिला का घर

रुपये और जेवर छीने; खतौनी और वसीयत के मूल कागजात भी ले गए

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लम्भुआ कोतवाली क्षेत्र के तेरये में एक महिला के साथ उसके पट्टीदारों द्वारा मारपीट और लूट का मामला सामने आया है। पीड़िता विंदू पत्नी मनीष कुमार ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह ग्राम तेरयें में अपनी भूमिधरी जमीन पर घर बनाकर परिवार के साथ रहती है। शांति पत्नी मिठाईलाल, श्यामा पत्नी रामजीत, रेशमा पुत्री रामजीत, लवकुश पुत्र रामजीत, राम लुटावन पुत्र दुर्जन और मनीता पत्नी सर्वजीत धारदार हथियार और लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पहुंचे। आरोपियों ने घर का पतरा गिराकर तोड़ दिया। विरोध करने पर उन्होंने पीड़िता और उसके बच्चों के साथ मारपीट की। आरोपी घर में रखे 68 हजार रुपये, जेवर और खतौनी और वसीयत के मूल कागजात लेकर फरार हो गए। जाते समय उन्होंने पीड़िता और उसके परिवार को जान से मारने और घर जलाने की धमकी भी दी। पीड़िता ने घटना का वीडियो और फोटो भी बनाए हैं। पुलिस ने नहीं की कार्रवाई पीड़िता ने उसी दिन थाने में शिकायत की

ट्रक से बचाने के चक्कर में कार पलटी

चालक शेखर घायल, स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , टप्पल थाना क्षेत्र में देर रात एक सड़क हादसा हुआ। गौमत से जेवर की ओर जा रही ब्रीजा कार अनियंत्रित होकर पलट गई। कार चालक शेखर ट्रक से बचने के प्रयास में कार पर नियंत्रण खो बैठा। कार पहले सड़क पर पलटी। फिर सड़क किनारे जाल के अंदर खड़ी एक अन्य कार से टकरा गई। टक्कर में ब्रीजा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने क्षतिग्रस्त कार में फंसे चालक शेखर को बाहर निकाला। उसे गंभीर चोटें आई थीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां उसका इलाज जारी है। टप्पल थाना प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। चालक की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है।

मजदूरों को 4 महीने से नहीं मिला वेतन

कंपनी मालिक ने 30 श्रमिकों का 50 लाख रुपए रोका, जिलाधिकारी से लगाई गुहार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, थाना गोविंद नगर क्षेत्र में एक कंपनी के मजदूरों को चार महीने से वेतन नहीं मिला है। रसिक प्रोडक्ट यूनिट-2 के मालिक गिरिधर लाल खंडेलवाल ने दिसंबर 2024 से अप्रैल 2025 तक का वेतन नहीं दिया है। कंपनी में काम करने वाले 30 श्रमिकों का कुल 50 लाख रुपए का वेतन बकाया है। मालिक ने पीएफ, 16 महीने का बोनस और ग्रेच्युटी का भुगतान भी नहीं किया है। श्रमिकों को बिना किसी सूचना के कंपनी से निकाल दिया गया। जब मजदूरों ने मालिक से वेतन की मांग की, तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया।

मजदूरों ने पुलिस में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। कंकाली स्थित श्रम कार्यालय में भी शिकायत की गई, पर वहां से भी कोई समाधान नहीं निकला। इसके बाद मजदूरों ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई। जिलाधिकारी ने 8 दिन में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर मजदूर फिर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे। मजदूरों के पास मालिक द्वारा दिए गए चेक हैं, जो बैंक में पैसे न होने के कारण बाउंस हो गए।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० - A - 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डी सी माहपे नवी मुंबई , ढाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935, 9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक- जगन्नाथ तिवारी